हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 188 बेमेतरा, शनिवार 28 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

सदन में गरमाया बजट में सम्मिलित कार्यों को वित्तीय स्वीकृति देने का मुद्दा

वित्त मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने किया वॉकआउट

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में पांचवें दिन प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायकों ने बजट में सम्मिलित कार्यों को वित्तीय स्वीकृति देने का मुद्दा उठाया। इस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी के जवाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने वॉक आउट किया।

कांग्रेस विधायक संगीता सिंह ने प्रश्नकाल में बजट में सम्मिलित कार्यों को वित्तीय स्वीकृति देने का मुद्दा उठाते हुए सवाल किया कि अब तक कौन-कौन से कार्य वित्त विभाग के पास लंबित है और क्यों? इस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने स्पष्ट किया कि कोई भी कार्य वित्त विभाग में लंबित नहीं है। इस पर विधायक ने सिंचाई और लोक निर्माण विभाग के पूरे काम वित्तीय विभाग में पेंडिंग होने की बात कही. इस पर मंत्री ने कि हमारी सरकार की स्पष्ट मंशा है कि हम कोई कार्य पेंडिंग न रखकर उसे ज्यादा से ज्यादा कर सके. इसके लिए नवीन मद की राशि भी बढ़ा दी गई है। मशीन उपकरण को 50 हजार से बढ़ाकर 1 करोड़ कर दिए हैं। प्रशासकीय स्वीकृति 2 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि बजट में प्रावधान बहुत ज्यादा होता है। सरकार प्राथमिकता से प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करती है. इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि बालोद के बारे में तो बताइए. मंत्री ने कहा कि बालोद के लिए भी वित्त विभाग में कोई फाइल लंबित नहीं है। इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि पीडब्ल्यूडी से वित्त विभाग की फाइल मांगकर उसे स्वीकृत करेंगे क्या? मंत्री ने कहा कि हर कार्य की एक प्रक्रिया होती है। विधायक ने कहा कि 18 करोड़ को जो स्वीकृति है, वो तो आप दे सकते हैं। इस पर मंत्री ने जवाब दिया कि विभाग सबकुछ तो करता है। भूपेश बघेल ने कहा कि वित्त मंत्री जी काफी उदार है. आप घोषणा कर दीजिए, हम भी आपका स्वागत कर देंगे।

रायपुर-रतनपुर रोड में 4 की मौत ट्रेलर और स्कॉर्पियो के बीच हुई टक्कर

बिलासपुर। रायपुर-रतनपुर नेशनल हाईवे पर सम्बलपुरी स्थित यादव ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रेलर और स्कॉर्पियो की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात करीब 2 बजे ट्रेलर क्रमांक सीजी 11 बीडी 9044 सकरी-रतनपुर की ओर से रायपुर जा रहा था। इसी दौरान ट्रेलर अनियंत्रित होकर रॉन्ग साइड में पहुंच गया और सामने से आ रही स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 04 एमक्यू 4220 को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रेलर पास में खड़े एक अन्य ट्रेलर को भी अपनी चपेट में लेते हुए पलट गया। स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग वाहन के अंदर फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही सकरी पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचा। वाहन में फंसे लोगों को निकालने के लिए गैस कटर का सहारा लिया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला गया, तब तक चार लोगों की मौत हो चुकी थी। मृतकों के नाम छत्रपाल रात्रे (37 वर्ष), पिता बालाराम रात्रे, निवासी ग्राम कुवागांव, थाना तखतपुर विशाल लहरें (25 वर्ष), पिता राजकुमार लहरें, निवासी बिरगहनी, थाना जरहागांव, जिला मुंगेली अनमोल लहरें (14 वर्ष), पिता संजय लहरें, निवासी बिरगहनी, थाना जरहागांव, जिला मुंगेली सोनू मिरी (28 वर्ष), निवासी कोटा।

संक्षिप्त समाचार

भूटान के साथ बाढ़ नियंत्रण तथा द्विपक्षीय सहयोग पर सचिव स्तर की बैठक

नयी दिल्ली। भारत तथा भूटान ने बाढ़ प्रबंधन और बाढ़ पूर्वानुमान को लेकर सचिव स्तर पर द्विपक्षीय सहयोग के मौजूदा तंत्रों की समीक्षा कर क्षमता निर्माण तथा तकनीकी आदान-प्रदान से सहयोग बढ़ाकर मौसमी घटनाओं से उत्पन्न चुनौतियों के समाधान पर व्यापक चर्चा की है। आधिकारिक सूचना के अनुसार भारत के जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने इस संबंध में 24 से 27 फरवरी तक भूटान यात्रा के दौरान इस मुद्दे पर विचार विमर्श किया। दौरे का मकसद सीमा पार नदियों पर सहयोग से संबंधित मामलों पर चर्चा करना और भारत सरकार के साथ साझेदारी में भूटान में कार्यान्वित की जा रही।

घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई। बीएसई का सेंसेक्स 28.13 अंक गिरकर 82,220.48 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 368.72 अंक (0.45 प्रतिशत) नीचे 81,879.89 अंक पर था। आईटी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में गिरावट रही।

चार जिलों में संशोधित गाइडलाइन दरें आज से लागू

रायपुर। प्रदेश के चार जिलों में संशोधित गाइडलाइन दरें लागू हो गयी। राज्य शासन ने पिछले साल 20 नवम्बर से छत्तीसगढ़ में नयी गाइडलाइन दरें लागू की गई थीं। राज्य सरकार ने जिला मूल्यांकन समितियों को निर्देशित किया था कि वे स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप गाइडलाइन दरों में संशोधन संबंधी प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को प्रेषित कर सकते हैं। इसी क्रम में दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा तथा बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से संशोधित प्रस्ताव प्राप्त हुए। प्राप्त प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के लिए महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित जिलों से प्राप्त गाइडलाइन दरों के प्रस्तावों का परीक्षण करते हुए विस्तृत चर्चा की गई।

उद्योगजगत को नवाचार के साथ सामने आना होगा

बजट पर पहली वेबीनारः मोदी ने दिया बाँड बाजार के विस्तार की जरूरत पर बल

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ उद्योग और वित्तीय क्षेत्र को गति देने की जरूरत पर विशेष बल देते हुए कहा है कि दीर्घकालिक कर्ज की सुविधा बढ़ाने के लिए बांड बाजार को और विस्तृत बनाने के कदम उठाये जाने चाहिए। मोदी ने बजट 2026-27 पर विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े वेबीनारों की परम्परागत श्रृंखला प्रारंभ करते हुए इस वर्ष के पहले वेबीनार में शुक्रवार को कहा, अब समय आ गया है कि उद्योग और वित्तीय संस्थान भी नई ऊर्जा के साथ आगे आएं। हमें अवसंरचना में ज्यादा भागीदारी चाहिए, वित्त-पोषण के लिए अपनाए जाने वाले मॉडल में ज्यादा नवाचार चाहिए, और उभरते क्षेत्रों में ज्यादा मजबूत सहयोग चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत सहित सभी हितधारकों को बजट से उत्पन्न अवसरों को जमीन पर उतारने के लिये काम करने का आह्वान किया। 'विकसित भारत के लिये प्रौद्योगिकी, सुधार और वित्त विषय पर वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित इस वेबीनार का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार विदेशी निवेश के नियमों को सरल बनाते हुए प्रयास कर रही है कि पूरी प्रणाली को अधिक स्पष्ट और निवेशकों के अधिक अनुकूल हो। वेबीनार में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन भी उपस्थित थीं। उन्होंने कहा, हम दीर्घकालिक वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए, बाँड बाजार को और ज्यादा सक्रिय बनाने की दिशा में भी कदम उठा रहे हैं और बॉन्ड की खरीद और बिक्री की प्रक्रिया को आसान बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमें बॉड बाजार में सुधार को दीर्घकालिक वृद्धि में सहायक उपाय के रूप में देखना होगा, हमें पारदर्शिता सुनिश्चित करनी होगी, बाँड बाजार में तरलता (बाँड बेचने की सुविधा) का विस्तार करना होगा, नये इंस्ट्रूमेंट (खरीद-बिक्री योग्य नयी प्रतिभूतियां) लाने होंगे, और जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन करना होगा। तभी हम बाजार में निरंतर पूंजी का प्रवाह आकर्षित कर पाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे अपेक्षा है कि आप दुनिया में चल रही अच्छी परिपाटियों से सीख लेकर विदेशी निवेश के नियमों और बाँड के बाजारों को मजबूत करने के लिए स्पष्ट और ठोस सुझाव देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, ' इस दिशा में मेरा एक और सुझाव है, हमें परियोजनाओं की मंजूरी की पद्धति और आकलन की गुणवत्ता को और मजबूत करना होगा।

अदालत ने केजरीवाल, सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को किया बरी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के साथ साथ अन्य 21 आरोपियों को बरी करते हुए केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) के जांच अधिकारी (आईओ) के खिलाफ विभागीय जांच कराने का आदेश दिया। राउज एवेन्यू अदालत के विशेष न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह ने इस मामले में जिन सभी 23 आरोपियों को बरी किया है उनमें तेलंगाना से पूर्व सांसद के. कविता, विजय नायर, समीर महेंद्रू शामिल हैं। यह मामला 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा था। इस नीति को तत्कालीन केजरीवाल सरकार ने अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद वापस ले लिया था। फैसला आने के बाद सीबीआई ने कहा कि उसकी जांच के कई महत्वपूर्ण पहलुओं को अदालत ने या तो नजरअंदाज किया या पर्याप्त महत्व नहीं दिया। एजेंसी ने कहा है कि वह इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेगी। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष सीबीआई प्रथम दृष्ट्या मामला साबित नहीं कर सका है। अदालत ने कहा कि सीबीआई का आरोप पत्र बहुत विस्तृत था लेकिन उसमें गंभीर खामियां भी थीं। आरोपपत्र में लगाये गये आरोप, गवाहों के बयानों या रिकॉर्ड पर मौजूद पर्याप्त सबूतों से साबित नहीं हो सके हैं। अदालत ने यह भी कहा कि सिसोदिया के खिलाफ कोई प्रथम दृष्ट्या मामला नहीं बनता है और केजरीवाल को पर्याप्त सबूतों के बिना फंसाया गया। अदालत ने जांच में कमियों को लेकर जांच एजेंसी को फटकार भी लगायी। इस आदेश के बाद केजरीवाल ने न्यायपालिका में विश्वास व्यक्त किया और इस मामले को अपनी पार्टी को कमजोर करने के उद्देश्य से रची गई एक राजनीतिक साजिश करार दिया। सिसोदिया ने कहा कि फैसले ने संविधान और कानून के शासन में उनके विश्वास को पुनः पुख्ता किया है।

गडकरी ने बिलासपुर रिंग रोड़ परियोजना को मंजूरी दी

रायपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 32 किलोमीटर लंबी 'बिलासपुर रिंग रोड' परियोजना को अपनी सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री एवं बिलासपुर लोकसभा सांसद तोखन साहू के दूरदर्शी प्रस्ताव और निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप यह मंजूरी मिली है। गडकरी ने सांसद तोखन साहू को पत्र प्रेषित कर अवगत कराया है कि परियोजना की व्यापक उपयोगिता एवं बिलासपुर की भविष्य की प्रशासनिक एवं औद्योगिक आवश्यकताओं को देखते हुए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा इस मार्ग की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और व्यवहार्यता अध्ययन तैयार करने की अनुशंसा कर दी गई है। लगभग 32 कि.मी. लंबी यह रिंग रोड बोदरी (छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के समीप) से प्रारंभ होकर सेंदरी गांव (एचएच-130) तक निर्मित होगी। यह मार्ग उच्च न्यायालय और बिलासपुर हवाई अड्डे को कोरबा, कटघोरा और सीपत जैसे प्रमुख औद्योगिक नगरों से सीधा संपर्क प्रदान करेगा। शहर के मध्य से गुजरने वाले एनएच -49 और एनएच-130 के भारी वाहनों को अब शहर के बाहर से ही सुगम 'बायपास' प्राप्त होगा।

उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग के न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण पर तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति खारिज की

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की उन आपत्तियों पर विचार करने से इनकार कर दिया जो पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) में दावे की पुष्टि के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों को चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा प्रशिक्षण देने पर उठाई गई थीं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग का प्रशिक्षण मॉडयूल शीर्ष अदालत के आदेशों को खत्म नहीं कर सकता है और न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह अदालत ने राज्य अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर राज्य और चुनाव आयोग के बीच विवाद को देखते हुए एसआईआर प्रक्रिया में दावों पर फैसला करने के लिए न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का निर्देश दिया था।

एपस्टीन के साथ संबंधों को लेकर सांसदों को करना चाहिए ट्रम्प से सवाल : क्लिंटन

वाशिंगटन। अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने सांसदों से अपील की है कि उन्हें यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के संबंधों को लेकर उनसे सवाल करने चाहिये। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार सुश्री क्लिंटन इस मामले को लेकर कांग्रेस (संसद) की समिति के समक्ष उपस्थित हुईं। उन्होंने कहा कि उन्हें एपस्टीन के अपराधों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इस दौरान उन्होंने सांसदों से आग्रह किया कि उन्हें ट्रंप से एपस्टीन के साथ उनके संबंधों के बारे में पूछताछ करनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने संविधान की शपथ ली है।

किसानों की समृद्धि और खुशहाली से ही विकसित भारत का सपना होगा साकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि अन्नदाता देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ है और किसानों की समृद्धि और खुशहाली से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री से उनके निवास कार्यालय में प्रदेश के किसानों ने सौजन्य मुलाकात की और कृषक उन्नति योजना के माध्यम से धान के अंतर की 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि होली से पूर्व किसानों के खातों में अंतरित करने की घोषणा पर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर किसानों ने मुख्यमंत्री को धान से तौलकर प्रदेश के अन्नदाताओं की ओर से अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव किसानों की चिंता करते हैं और उनकी आय बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और किसानों की उन्नति ही राष्ट्र की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि अटल जी के समय किसानों को सशक्त बनाने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था लागू की गई, जिससे किसानों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध होने लगा। इससे पहले किसानों को महाजनों से ऊंचे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ता था, जिससे वे आर्थिक शोषण का शिकार होते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब किसानों को ब्याज मुक्त पूंजी की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सिंचाई योजना के माध्यम से किसानों के खेतों तक पानी पहुंच रहा है और प्रदेश में सिंचाई का रकबा लगातार बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से खरीद रही है, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि धान के अंतर की लगभग 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि होली से पूर्व किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी।

28 फरवरी को बिलासपुर जिले से इस राशि का अंतरण किया जाएगा और पूरे प्रदेश के विकासखंडों में इसे उत्सव की तरह मनाया जाएगा।

जशपुर जिले को बड़ी सौगात, 30.59 करोड़ की 9 सड़कों को मिली मंजूरी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले को विकास की नई रफ्तार देते हुए 9 महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण के लिए कुल 30 करोड़ 59 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। इन परियोजनाओं से ग्रामीण अंचलों में आवागमन सुगम होगा, व्यापार-व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा और शिक्षा-स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच आसान होगी। दो वर्षों के भीतर मिली इस करोड़ों की सौगात से जिले की सड़क व्यवस्था का व्यापक कायाकल्प हो रहा है। क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे ऐतिहासिक पहल बताया है। जिले के ढूंड़गजोर (सरसमार) से चिढ़रापारा पत्थलगांव तक 2 किमी 1 करोड़ 96 लाख, ग्राम ढोंगादरहा से अम्बाकछार मार्ग 3 किमी 4 करोड़ 84 लाख, ग्राम पंचायत मुड़ापारा (हड्डी गोदाम मेन रोड) से धिंचापानी होते हुए पंगसुवा मार्ग 4.85 किमी 4 करोड़ 26 लाख, ग्राम कोतबा से सरईकोना होते हुए पिकपारा मार्ग 4.60 किमी 4 करोड़ 59 लाख, कांसाबेल के बटाईकला प्रेमनगर से मारचाईढोढ़ी मार्ग 2.90 किमी, 2 करोड़ 79 लाख, कांसाबेल खूंटीटोली बस्ती से चेतबा हाई स्कूल मार्ग 2 किमी 2 करोड़ 4 लाख, कांसाबेल कोरंगा से नवाटोली से भागलपुर मार्ग 2 किमी 2 करोड़ 14 लाख, कुडुकेल खजरी के पटेल पारा से बगई झरिया मार्ग 3.80 किमी 3 करोड़ 28 लाख, कोकिया खार से आमकानी मेन रोड तक 4 किमी 4 करोड़ 69 लाख रुपए की मंजूरी मिली है।

200 बिस्तरों के कैंसर हॉस्पिटल का आज उद्घाटन करेंगे सीएम विष्णुदेव

रायपुर। राजधानी रायपुर के मोवा स्थित श्री बालाजी हॉस्पिटल में 200 बिस्तरों वाली अत्याधुनिक सुपर स्पेशियालिटी कैंसर यूनिट तैयार हो गई है। इसका उदघाटन 28 फरवरी को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। मध्य भारत के आधुनिक कैंसर केंद्रों में शामिल इस यूनिट में गैस्ट्रो, न्यूरो, गाइनी, यूरो, नेफ्रो, थोरेसिक और हेड एंड नेक कैंसर का इलाज एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा।

अस्पताल में टू बीम रेडिएशन मशीन, हैल्सियन लीनियर एक्सेलरेटर, ब्रेकीथेरेपी, पीईटी-सीटी स्कैन, गामा नाइफ, 128 स्लाइस सीटी सिमुलेटर सहित विश्वस्तरीय जांच व उपचार सुविधाएं स्थापित की गई हैं। 72 आईसीयू बेड, 40 बेड का कैंसर आईसीयू, 4 एडवांस ओटी और 8 बोनमैरो ट्रांसप्लांट यूनिट भी तैयार हैं। आयुष्मान योजना के तहत पात्र मरीजों को मुफ्त इलाज तथा एनटीपीसी, एनएमडीसी व शासकीय कर्मचारियों को कैशलेस सुविधा मिलेगी। चेयरमैन डॉ. देवेंद्र नायक ने कहा कि आर्थिक अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा और छत्तीसगढ़ में भी बडे महानगरों की भांति सुविधा मिलेगी।

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

ग्राम पंचायत सचिवों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी के दायित्वों की दी गई जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के आदेशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के निर्देशानुसार जिला पंचायत सभागार में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 एवं बाल संरक्षण अधिनियम 2015 के संबंध में एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत द्वारा की गई। कार्यक्रम में विकासखंड नवागढ़, बेरला एवं बेमेतरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत तथा ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे। कार्यशाला में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री व्योम श्रीवास्तव द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य पत्र 16 जनवरी 2025 को जारी अधिसूचना के माध्यम से राज्य के ग्राम पंचायत सचिवों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी घोषित किया गया है। अधिनियम के अनुसार 18 वर्ष से कम आयु की बालिका तथा 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह प्रतिबंधित है। यदि कोई व्यक्ति बाल विवाह करता है, करवाता है, उसमें प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहयोग करता है, तो उसे 2 वर्ष तक के कठोर कारावास या एक लाख रुपये तक के जुर्माने अथवा दोनों से दंडित किया जा सकता है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि माननीय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 10 मार्च 2024 को संकल्प पारित कर 31 मार्च 2029 तक राज्य को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु चरणबद्ध तरीके से जनसहयोग एवं जनजागृति अभियान संचालित किया जा रहा है।जिले के शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों, धर्मगुरुओं, समाज प्रमुखों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से बाल विवाह मुक्त होने संबंधी शपथ दिलाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि जिले की 417 ग्राम पंचायतों एवं 8 नगरीय निकायों द्वारा विगत दो वर्षों से एक भी बाल विवाह न होने के संबंध में प्रस्ताव पारित कर स्वयं को बाल विवाह मुक्त घोषित किया गया है। कार्यशाला में बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न प्रावधानों पर चर्चा करते हुए अधिकारियों ने सभी संबंधितों से सजगता एवं सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

सरिया पीएचसी का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, ओपीडी-आईपीडी व्यवस्थाओं की समीक्षा, 100 बिस्तर अस्पताल भवन जल्द शुरू करने के निर्देश..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने सरिया स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी और आईपीडी की व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की और प्रतिदिन 100 से अधिक मरीजों की उपस्थिति को देखते हुए गुणवत्तापूर्ण उपचार और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।अधिकारियों ने जानकारी दी कि यहां रोजाना 100 से ज्यादा मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते हैं। इस पर कलेक्टर ने कहा कि मरीजों को समय पर इलाज, पर्याप्त दवाइयां और बेहतर सुविधाएं मिलनी चाहिए।

100 बिस्तर नए भवन का कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश

कलेक्टर ने पीएचसी परिसर के पीछे स्वीकृत 100 बिस्तर वाले नए भवन के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृति के बाद निर्माण कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो और गुणवत्ता के साथ कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

आभा आईडी पंजीयन बढ़ाने पर जोर

निरीक्षण के दौरान आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत बनाए जा रहे आभा आईडी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को आभा आईडी के लाभों के बारे में जागरूक किया जाए और अधिक से अधिक लोगों का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन, एसडीएम वर्षा बंसल, डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा, बीएमओ डॉ. अवधेश पाणीग्राही, सीईओ जनपद पंचायत बरमकेला अजय पटेल, तहसीलदार कोमल प्रसाद साहू, चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषभ शर्मा, डॉ कृष्णा साहू, ऋरूमनोज चौधरी व जीत पटेल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी और हॉस्पिटल स्टाफ मौजूद रहा।

पीएम जनमन योजना से पीवीटीजी बस्तियों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से घर के समीप जांच एवं उपचार सुविधा

बलरामपुर /मूक पत्रिका

दूरस्थ वनांचल और दुर्गम पहाड़ी इलाकों में बसे विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच लंबे समय से एक बड़ी चुनौती रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट से बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। जिले में विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चार मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही हैं। इन यूनिटों के माध्यम से विकासखण्ड बलरामपुर, राजपुर, कुसमी और शंकरगढ़ के सुदूर पहाड़ी कोरवा बाहुल्य क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं सीधे गांव और बसाहटों तक पहुंचाई जा रही हैं। अब ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार के लिए कई किलोमीटर दूर स्वास्थ्य केंद्रों की ओर नहीं जाना पड़ता, बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं स्वयं उनके घर के समीप पहुंच रही हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट में चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। साथ ही सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन जैसे आवश्यक लैब टेस्ट किए जाते हैं। जरूरत पड़ने पर मरीजों को आगे के उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर भी किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा बुजुर्गों की देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक 235 बसाहटों में 87 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में कुल 3,678 हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया गया है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है। पहले जहां ग्रामीण सामान्य बुखार या संक्रमण को नजरअंदाज कर देते थे या बैगा गुनिया का सहारा लेते थे, लेकिन अब वे नियमित जांच और परामर्श के महत्व को समझने लगे हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। गौरतलब है कि जिले में कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में मोबाइल मेडिकल यूनिट का सुव्यवस्थित संचालन किया जा रहा है। नियमित मॉनिटरिंग, तय रूट चार्ट और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से बसाहटों में स्वास्थ्य सेवायें सुनिश्चित की जा रही है। पीएम जनमन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार निश्चित ही विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर में दीर्घकालिक सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में सशक्त प्रयास सिद्ध हो रहा है।

खुले में चल रहा था जुआ, पुलिस ने मारी दबिश - 4 जुआरी गिरफ्तार, नगदी व मोटरसाइकिल जब्त

कांकेर/मूक पत्रिका

जिले में अवैध जुआ के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने ग्राम हिंगनझर के नाला (नदी) किनारे खुले स्थान पर दबिश देकर 4 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस निरीक्षक निखिल राखेचा के नेतृत्व में निरीक्षक सुरेश कुमार राठौर, निरीक्षक यशवंत श्याम (प्रभारी साइबर क्राइम), सउनि भुवनेश पटेल सहित पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और कार्रवाई की। इस दौरान कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जबकि 4 आरोपियों को पकड़ लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में देवराज सिन्हा (36 वर्ष) निवासी कोटतरा थाना चारामा, गजेन्द्र सिंह मंडावी (36 वर्ष) निवासी बागडोंगरी थाना चारामा, चंचल ठाकुर (39 वर्ष) निवासी परसोदा थाना कोरर तथा खेमन लाल सेवता (48 वर्ष) निवासी गितपहार चौकी हल्ला थाना नरहरपुर शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से 6,530 रुपये नगद, ताश के 52 पत्ते, हरे रंग का नेट कपड़ा तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की गई है। सभी आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3 (2) के तहत अपराध दर्ज कर 26 फरवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध जुआ एवं अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कोंटा थाना परिसर में होली को लेकर शांति समिति की बैठक, नवपदस्थ अधिकारियों का स्वागत

कोंटा /मूक पत्रिका

- आगामी होली पर्व के मद्देनज़र कोंटा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर चर्चा की गई तथा त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। बैठक के दौरान बीजापुर से स्थानांतरित होकर कोंटा आए नए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज तिरकी तथा नारायणपुर से स्थानांतरित होकर आए पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डॉ. प्रशांत देवांगन का भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी कोंटा मंडल अध्यक्ष सुभाष चतुर्वेदी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जी साई रेड्डी, मंडल महामंत्री पुली गोलू, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अमितेश सिंह, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष पवन सिद्धू, युवा मोर्चा कार्यकर्ता साहिल सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पुलिस अधिकारियों ने होली पर्व के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, असामाजिक तत्वों पर नजर रखने तथा आपसी समन्वय से त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का

होली से पहले खाद्य विभाग की सख्ती, 11 किलो अमानक मिठाई नष्ट, 7 व्यापारियों को नोटिस

कांकेर/मूक पत्रिका

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार होली एवं आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा जिलेभर में खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान जिले के कांकेर, चारामा, भानुप्रतापपुर, कोयलीबेड़ा, अंतागढ़ एवं नरहरपुर क्षेत्र के मिठाई दुकानों, किराना प्रतिष्ठानों एवं खाद्य विनिर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मिठाई, पनीर, दूध, दही, नमकीन, आटा, बेसन, मैदा, सूजी, तेल, लड्डू, कलाकंद, रसगुल्ला, बर्फी, काजू कतली सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजे गए। निरीक्षण के दौरान लगभग 11 किलोग्राम गुणवत्ता विहीन मिठाइयाँ, जिनमें पेड़ा, कलाकंद, मोतीचूर लड्डू एवं खोया शामिल था, मौके पर ही नष्ट कराया गया। साथ ही अमानक खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले 7 व्यापारियों को नोटिस जारी कर तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि खुले एवं अमानक खाद्य पदार्थों की खरीद से बचें, अधिक रंगयुक्त मिठाइयों का उपयोग न करें तथा खाद्य सामग्री खरीदते समय लेबल, निर्माण तिथि एवं उपयोग की अंतिम तिथि अवश्य जांचें। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर विभाग को सूचना देने की अपील की गई है, ताकि नियमानुसार कार्रवाई की जा सके।

कलेक्टर पीएमश्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का ने किया आकस्मिक निरीक्षण

बलरामपुर /मूक पत्रिका

कलेक्टर राजेंद्र कटारा ने पीएमश्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भेलवाडीह का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राचार्य से विद्यालय में अध्ययनरत छात्रों की संख्यात्मक जानकारी ली तथा उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया।कलेक्टर कटारा ने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई तथा भविष्य की योजनाओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे बड़े होकर किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक और आत्मविश्वास एवं सहजता के साथ प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर कलेक्टर ने अपने स्कूली जीवन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कंप्यूटर लैब, साइंस लैब एवं एआई लैब का अवलोकन कर उपलब्ध संसाधनों और उपकरणों की स्थिति का निरीक्षण किया, साथ ही संसाधनों के समुचित उपयोग के निर्देश दिए। तत्पश्चात उन्होंने रसोई कक्ष का निरीक्षण कर विद्यार्थियों के लिए बनाए गए भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण किया तथा आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर कटारा ने पीएमश्री मद अंतर्गत प्राप्त आवंटन एवं उसके व्यय की समीक्षा भी की। कलेक्टर ने संस्था के सुचारू संचालन हेतु प्राचार्य को आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त सुश्री समीक्षा जायसवाल उपस्थित रही।

रैली निकालकर प्रधानमंत्री के नाम तीन सूत्रीय मांगो का सौपा ज्ञापन

कुसमी में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता सहायिकाओं का दो दिवसीय धरना समाप्त

कुसमी/मूक पत्रिका

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संघ कुसमी, अखिल भारतीय आंगनबाड़ी कर्मचारी महासंघ कुसमी व सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ के सयुक्त तत्वाधान में 26 व 27 फरवरी को दुर्गा बाड़ी में दो दिवसीय धरना प्रदर्शन के बाद दुर्गा चौक से पैदल मार्च करते हुए रैली में शामिल होकर अपनी मांगो को बुलंद कर वर्तमान सरकार के खिलाफ नरेबाजी के साथ एसडीएम कार्यालय कुसमी पहुंचकर एसडीएम की अनुपस्थित में कार्यालय में उपस्थित एसडीएम के रीडर को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौपकर अपनी तीन सूत्रीय मांगो को रखा हैं. तथा मांगे पूरी नहीं किए जाने पर अनिश्चित कालीन हड़ताल किए जाने का चेतावनी दिया हैं। सौपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया हैं की भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के द्वारा पूरे देश में 1975 से आज पर्यंत तक आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से समेकित बाल विकास योजना का संचालन हो रहा है. जिसमें लगभग 24 लाख की संख्या में आंगनबाडी कर्मी कार्यरत हैं, तथा इस योजना को सफलीभूत कर रहे है. इसके अंतर्गत 5 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के पोषण एवं प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, अनौपचारिक शिक्षा के साथ पूरक आहार उपलब्ध कराने, शिशु एवं स्तनपान तथा गर्भवती माता एवं बच्चों को कुपोषण से बचाने लिए जरूरी पुष्टाहार विटामिन, प्रोटीन उपलब्ध कराने का कार्य केंद्र सरकार की इस स्कीम के तहत आआंगनबाडी कर्मियों के ?द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा राज्य शासन के द्वारा बीएलओ, आर्थिक सामाजिक जनगणना, जनगणना, पल्स पोलियो, फाईलेरिया कोरोना वैक्सीनेशन, राशनकार्ड सत्यापन, आयुष्मान कार्ड, आधारकार्ड, ई श्रम कार्ड, इकेवाइसी, ओडीएफ आदि कार्य भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संपन्न कराए जाते हैं। इस प्रकार आंगनबाड़ी केंद्रों में सेवा देने के साथ क्षेत्र का भ्रमण करने इन दोनों को मिलाकर 8 घंटे से भी अधिक का कार्य आंगनबाड़ी कर्मियों को करना पड़ता है पिछले 50 वर्षों से संचालित इस महत्वकांछी स्कीम में उपरोक्त कार्यो को संपादित करने के उपरान्त भी आंगनबाड़ी कर्मियों को अब तक न कर्मचारी घोषित किया गया है, न ही न्यूनतम वेतन के दायरे में इन्हें लाया गया है आज की स्थिति में केवल अल्प मानधन का ही भुगतान इन्हें सर्वत्र किया जा रहा है, सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य सुविधाएं आज तक उनके लिए लागू नहीं की जा सकी है। आआंगनबाड़ी कॅर्मियों को राज्य कर्मचारी के जैसे कार्य करने के उपरान्त इन्हे कर्मचारी घोषित न करना तथा अल्प मानधन में कार्य करवाना भारत के संविधान की धारा 14,15,23 का उल्लंघन है, आंगनबाड़ी कर्मी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 11 के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों तथा प्री प्राइमरी स्कूल में 6 माह से 6 वर्ष के बच्चों को शिक्षा तथा भोजन देने, गर्भवती माताओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने का कार्य कर रही हैं. जो वैधानिक प्रकृति का कार्य है यह स्पष्ट प्रमाणित होता है. इसलिए इन पर मजदूरी भुगतान अधिनियम 1972 भी लागू होगा. इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूल को संस्थान मानकर तथा मानधन को वेतन मजदूरी मानकर इन्हें वर्ष 2022 से ग्रेजुएटी भुगतान करने का आदेश पारित किया है। एक अन्य आदेश में माननीय सुप्रीम कोर्ट ने आंगनबाड़ी कर्मियों के परिवार के पालन पोषण, इनके बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, इनके दद्वारा किए जा रहे कार्य की बहुलता तथा शामिल कार्य के घंटो को म?देनजर रखते हुए इन्हें वेतन की जगह मानधन देना आरत के संविधान की धारा 21 का उबंधने माना है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कहा है की इनके द्वारा किए जा रहे कार्य को वैधानिक कार्य मानकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मानधन की जगह लिविंग वेज 24,800/- तथा सहायिका को 20,300/- रुपए प्रतिमाह भुगतान किया जाना चाहिए। विगत 21 नवंबर 2025 को लागू सोशल सिक्योरिटी कोड 2020 की क्लॉज 113,114 में असंगठित कर्मी तथा निग प्लेटफॉर्म वर्कर के लिए पंजीयन एवं अनेको स्कीम का लाभ इन्हें प्रदान किए जाने का प्रावधान किया गया है. इसके साथ साथ नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड का गठन भी इनके हितार्थ में किया गया है सरकार की इस पहल का हम स्वागत करते हैं, किंतु वहीं दूसरी ओर 50 वर्षों से अधिक समय से प्रभावी इस महत्वकांछि स्कीम में कार्यरत आंगनबाड़ी कर्मियों के हितार्थ इस कोड में सामाजिक सुरक्षा का कोई प्रावधान नहीं करना यह समझ से परे है इसके कारण आंगनबाड़ी कर्मियों में काफी हताशा तथा रोष व्याप्त है, जबकि इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस तथा अन्य अवसरों पर स्कीम वर्कर के हितार्थ सामाजिक सुरक्षा देने की सिफारिश के अनेकों ज्वलंत उदाहरण भी उपलब्ध हैं, वर्ष 2012 में संपन्न 44 वे इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस में सामाजिक सुरक्षा विषय पर गठित कमेटी की अनुशंसा के अनुसार भी आंगनबाड़ी तथा अन्य स्कीम वर्कर को भी सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलना चाहिए। वर्ष 2013 में संपन्न 45 वी इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस में स्कीम वर्कर की सेवा तथा कार्य दशाएं इस विषय पर चर्चा होकर इन्हें मिनिमम वेज सहित पी एफ आई एस आई पैशन, का लाभ देने की सिफारिश संबंधित समिति में की थी इसी प्रकार 46 वी इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस में भी ई पी एफ ई एस आई की सिफारिश स्कीम वर्कर के लिए संबंधित समिति ने की थी।

सलिहा पुलिस द्वारा गोवंश पशुओं की तस्करी करते 3 आरोपी गिरफ्तार

पशु तस्कर पुलिस के शिकंजे में पुलिस ने 10 गोवंश पशुओं (भैंस) को तस्करों के चुंगल से छुड़ाया

तीन आरोपी गिरफ्तार पशुओं को ले जा रहे थे छत्तीसगढ़ से उड़ीसा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

श्रीमान पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन पर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति निमिषा पांडे अनु.अधि. पुलिस श्री विजय ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले में घटित अपराधों तथा पशु तस्करी पर रोकथाम करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए इसके पालन में थाना प्रभारी सलिहा उप निरी पुरेन्द्र मल्होत्रा के नेतृत्व में पशु तस्करी करने वाले 03 आरोपी गिरफ्तार कर तीनों आरोपी को भेजा गया जेल होने संभावना अन्य आरोपी की संलिप्तता विवरण- मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि दिनाक 26/02/2026 को सूचना मिला कि दो नग वाहन 01. महेन्द्रा वीरो स्लेटी कलर का क्रमांक छत्त 06-ाष्ट-8567, 02. महेन्द्रा वीरो सफेद रंग का क्रमांक छत्त 04-क्तरू0269 में भैंस एवं भैंसा मवेशी को क्रूरता पूर्वक भरकर बिलाईगढ तरफसे उडीसा ले जा रहे है कि सूचना पर थाना प्रभारी पुरेन्द्र मल्होत्रा के हमराह सउनि.देवनारायण साहू आरक्षक 68,388,283,254,271 के घेराबंदी कर वाहन 01. महेन्द्रा वीरो स्लेटी कलर क्रमांक छत्त 06-ाष्ट-8567, 02. महेन्द्रा वीरो सफेद रंग क्रमांक छत्त 04-क्तरू0269 को पकड़ने से महेन्द्रा वीरो वाहन क्रमांक छत्त 06-ाष्ट-8567 में 02 नग भैंस 03 नग भैंसा तथा दुसरे वाहन महेन्द्रा वीरो क्रमांक छत्त 04-क्तरू0269 में 02 नग भैंस 03 नग भैंसा कुल 10 नग ठुस ठुस कर क्रूरता पूर्वक भरा था जिस सम्बंध में चालक सूरज गुप्ता तथा दुसरे वाहन के चालक भीखम सिन्हा ने भैंस भैंसा मवेशी को उडीसा राज्य ले जाना बताये जिन्हें नोटिस देने पर वाहन में मवेशी परिवहन करने के सम्बंध में वैध दस्तावेज नहीं होना लिखित में दिये मौके पर देहाती नालसी लिया गया वाहन चालको सूरज गुप्ता, भीखम सिन्हा एवं केबिन में बैठे कबीर खान का मेमोरेंण्डम कथन लेकर वाहन महेन्द्रा वीरो क्रमांक छत्त 06-ाष्ट-8567 एवं महेन्द्रा वीरो क्रमांक छत्त 04-क्तरू0269 में 05-05 नग भैंस, भैंसा मवेशी भरे किमती 1730000/रूपये तथा 04 नग मोबाईल फोन किमती 16300/रूपये जुमला किमती 1746300/रूपये को सूरज गुप्ता, भीखम सिन्हा, कबीर खान से जप्ती किया गया। आरोपीयों के द्वारा अपराध धारा 4,6,10 छ.ग. कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004, पशुओं के प्रति क्रुरता का निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(घ) का अपराध घटित करना पाये जाने से आरोपीयों के विरूध्द अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना 01- सूरज गुप्ता पिता भगवान प्रसाद गुप्ता उम्र 42 साल साकिन कोमाखान सुवरमाल थाना कोमाखान जिला महासमुंद 02. भीखम सिन्हा पिता पुरूषोत्तम सिन्हा उम्र 25 साल साकिन बिहाझर थाना बागबहरा जिला महासमुंद 03. कबीर खान पिता रहीस खान उम्र 25 साल साकिन सागंज अर्जुन नगर चौराहा थाना सागंज जिला आगरा उत्तरप्रदेश हाल मुकाम ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नं 04 चांद होटल के पास थाना बंजारी जिला रायपुर छ.ग. से पुछताछ कर मेमोरण्डम कथन लिया गया जो अपराध घटित करना स्वीकार करने पर आज दिनांक 26/02/26 को गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सुचना उसके परिजन को देकर माननीय जेएमएफसी न्यायालय बिलाईगढ़ पेश कर रिमाण्ड पर भेजा गया है।

शारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड की चिमनिया उगल रहा मौत का काला धुंआ, जिम्मेदार पर्यावरण विभाग ने साधी चुप्पी

खरसिया/मूक पत्रिका

मामला खरसिया ब्लॉक के जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा बिंजकोट स्थित शारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड कंपनी का है यह चिंताजनक खबर सामने आई है. फैक्ट्रियों से निकल रहे प्रदूषण ने हालात बेकाबू कर दिए हैं. यहां संचालित प्लांट से दिन-रात जहरीला काला धुआं निकल रहा है, जिससे आसपास के गांवों में रहने वाले लोग घुटन भरी जिंदगी जीने को मजबूर हैं फैक्ट्रियों से निकलने वाला धुआं अब आसपास के गाँव में रहने वाले लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि फैक्ट्रियों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं सीधे उनके घरों में प्रवेश कर रहा है, जिससे वातावरण प्रदूषित हो रहा है और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। सांस की बीमारी और आंखों में जलन की बढ़ी समस्या क्षेत्र में रहने वाले कई लोगों ने बताया कि बीते कुछ महीनों में दमा, सांस फूलना, खांसी, आंखों में जलन और एलर्जी जैसी श्वास संबंधी बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। खासकर बुजुर्गों, बच्चे और पहले से बीमार लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। रात के समय धुएं की समस्या और गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों को खिड़की-दरवाजे बंद करके सोना पड़ता है। फसलें हो रही तबाह परेशान हैं अन्नदाता स्थानीय लोगों का कहना है कि चिमनियों से निकल रहे धुओं के साथ राख और डस्ट भी हवा में उड़ रहे हैं, जो उनके घरों तक पहुंच रहा है। आसपास के खेतों और उसमें लगी फसलों में इसका असर दिख रहा है। राख और डस्ट से उनकी सब्जी सहित अन्य फसलें बर्बाद हो रही है, जिसके चलते पैदावार नहीं हो रहा है।

हिसाब कौन देगा–शारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड कंपनी की राख गांव की छतों तक कैसे पहुंच रही है? राख निस्तारण के नियमों का पालन कौन देख रहा है? हवा की मॉनिटरिंग और कचरा प्रबंधन का रिकॉर्ड जनता क्यों नहीं देख पाती? ये सवाल गांव की हवाओं में तैर रहे हैं, लेकिन जवाब किसी दफ्तर की फाइलों में गुम हैं. यह सिर्फ पर्यावरण की समस्या नहीं–यह जिंदगी का सवाल है. जब हवा सांस लेने लायक नहीं होती है और पानी पीने जैसा नहीं जाता, तो गांव बसता नहीं–घुटता है. यह राख ग्रामीणों के घरों पर नहीं, उनके भविष्य पर गिर रही है. अगर जवाबदेही तय नहीं हुई, तो आने वाली पीढ़ियां बीमारियां ही विरासत में पाएंगी. प्रशासन पर उठ रहे सवाल स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद न तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और न ही प्रशासन ने अब तक ठोस कदम उठाए हैं. अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कब तक कार्रवाई करता है या ग्रामीणों का गुस्सा और भड़कता है.

सेवांजली की बी ओ डी बैठक और जूनियर क्लब का हुआ गठन'

डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर ली सुमिता पांडेय ने सेवांजली जूनियर क्लब को दिलवाई शपथ

दीक्षा ने अध्यक्ष, प्राची सचिव और हृदया ने कोषाध्यक्ष की ली शपथ

रायगढ़ /मूक पत्रिका

ऑल इंडिया लीनेस क्लब की इकाई लीनेस क्लब सेवांजली द्वारा फरवरी माह की मासिक बैठक एवं जूनियर क्लब का शपथ समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ ।बैठक की शुरुआत में फरवरी माह में जन्मदिन आने वाले क्लब सदस्यों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा विभिन्न गतिविधियों पर सार्थक चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अपने विचार साझा किए और कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु सहयोग का आश्वासन दिया ।

सेवांजली जूनियर क्लब का गठन सराहनीय, शपथ ग्रहण हुआ संपन्न : सेवांजली जूनियर क्लब का गठन बच्चों में चरित्र निर्माण, संस्कारों के प्रति जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने, बच्चों को सांस्कृतिक और विकासात्मक गतिविधियों से जोड़कर उनमें नेतृत्व क्षमता और सेवा भाव का विकास करने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल है । जूनियर क्लब का शपथ ग्रहण समारोह अध्यक्ष ली प्रतिभा सिंह के नेतृत्व में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया । पूर्व एरिया ऑफिसर एवं डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर एस.एस.ए. ली सुमिता जी पाण्डेय ने जल एवं प्रकाश को साक्षी मानकर अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी शैली में जूनियर क्लब अध्यक्ष ली दीक्षा, सचिव ली प्राची, कोषाध्यक्ष ली हृदया सहित अन्य जूनियर क्लब सदस्यों को सेवा, समर्पण और एकता की शपथ दिलाई । डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर ली सुमिता पांडेय ने विस्तार से उनके पद और कर्तव्यों को बताया एवं उनके उज्वल कार्यकाल की शुभकामनायें दी । कार्यक्रम में ध्वज वंदना लीनेस ममता चौहान द्वारा प्रस्तुत की गई , मंच संचालन सचिव ली रजनी मिश्रा ने किया ।

सभी ने जूनियर सेवांजली पदाधिकारियों को आशीर्वाद दिया :क्लब के सभी सदस्यों ने नवगठित जूनियर क्लब के पदाधिकारियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ली बबली के संचालन और निम्न का सहयोग सराहनीय, एक दूसरे को गुलाल लगा दी होली की बधाई : पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन ली बबली कुलवेदी द्वारा किया गया । अंत में आभार भी उनके द्वारा ही किया गया ।

इस अवसर पर चेयरपर्सन ली प्रिया पाण्डेय, ली सुधा मिश्रा, ली सरोजिनी कुर्रे, ली रुपान्जली देशमुख, ली रीता श्रीवास्तव, ली तनु शर्मा, ली राजश्री शुक्ला, ली चंचला सिंह, ली कावेरी शुक्ला एवं ली पूनम तिवारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहीं । कार्यक्रम के समापन पर सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएँ दीं । कार्यक्रम की सफलता में सभी का सहयोग सराहनीय रहा ।

ग्राम पंचायत गोडीहारी में श्रीमद्भागवत कथा में पहुंचे जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय

सारंगढ़ बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत गोडीहारी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय शामिल हुए । उन्होंने कथा स्थल पर पहुंच विधिवत पूजन-अर्चन किया और भागवत भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया ।अपने संबोधन में श्री पांडेय ने कहा कि ङ्क भगवान की इच्छा के बिना संसार में कुछ भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा, भगवान की मर्जी के बिना एक पत्ता भी नहीं हिल सकता । करने वाला और कराने वाला वही है । हम न उनके श्रेष्ठ हैं और न ही खास, हम तो केवल उनके दास हैं। उद्बोधन के दौरान जिपं अध्यक्ष ने एक मार्मिक प्रसंग सुनाते हुए बताया कि ङ्क एक राजा प्रति दिन मंदिर दर्शन के लिए जाता था। मंदिर की सीढ़ियों के दोनों ओर दो भिखारी बैठते थे। एक दिन राजा ने दाहिनी ओर बैठे भिखारी के लिए खीर का कटोरा भेंजा, जिसमें सोने के सिक्के छिपाए गए थे। दाहिनी ओर बैठे भिखारी ने थोड़ी खीर खाने के बाद कटोरा बाई ओर बैठे भिखारी को दे दिया। बाई ओर बैठे भिखारी ने खीर घर ले जाकर खाई, तो उसमें से सोने के सिक्के प्राप्त हुए। इसके बाद उसने भीख मांगना छोड़ दिया और भगवान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। राजा को जब इस घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने कहा कि ङ्क मनुष्य केवल माध्यम है, असली नियंता भगवान हैं। जिसे जो प्राप्त होना होता है, वह ईश्वर की इच्छा से ही मिलता है। कार्यक्रम में श्री अरुण गुड्डू यादव , गोपेश रंजन द्विवेदी, रमेश तिवारी , दूधनाथ पटेल, प्रमोद यादव, गुड्डू पटेल, रामलाल पटेल, श्याम देव भारद्वाज, रामेश्वर पटेल एवं ग्रामवासी बाहर से आए श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

52 परियो के साथ आरोपी गिरफ्तार, चौकी कनकबीरा की जुआ के विरुद्ध कार्यवाही

जुआड़ियों से जप्त कुल 41000 रु दो जोड़ी 52 पत्ती ताश

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पुलिस अधीक्षक महोदय श्री आंजनेय वार्ष्णेय के द्वारा जिले में अवैध जुआ सट्टा के विरुद्ध लगातार कार्यवाही करने के निर्देश किया गया था जिस पर आज दिनांक 26.02.2026 को मुखबिर सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदया श्रीमती निमिषा पांडे एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सारंगढ़ श्रीमती स्नेहिल साहू के मार्गदर्शन पर चौकी प्रभारी सउनि टीकाराम खटकर के कुशल नेतृत्व मे ग्राम सालर में ताश पत्ती से रूपये पैसे का दाव लगा कर जुआ खेल रहे कुछ जुआडीयान ताराचंद साहू, भूपेंद्र पटेल, टीकाराम चौहान, दरसराम भारद्वाज, को मौके पर पकड़ा गया जिसके फड़ एवं पास से नगदी 41000 एवं दो जोड़ी 52 पत्ती ताश एवं एक पट्टी बोरी जप्त कर आरोपीयों को गिरफ्तार कर बिधिवत कार्यवाही किया गया है।

उपरोक्त कार्यवाही में चौकी प्रभारी स उ निरीक्षक टीकाराम खटकर प्रधान आरक्षक भीमसेंन सिदार, आरक्षक जगजीवन खूंटे का विशेष योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के सर्वसम्मति से सुनील मिंज को जिलाध्यक्ष चुना गया

रायगढ़ /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज की प्रांतीय इकाई के निदेशानुसार कंवर भवन, बोईरदादर में रायगढ़ जिला कार्यकारिणी के गठन के लिए महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के 50 से अधिक सम्मानित सदस्य एवं पूर्व पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर, जयपाल सिंह मुंडा, बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह, गुंडाधूर तथा रानी दुर्गावती की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात प्रांतीय पदाधिकारियों का पुष्पमाला एवं बुके से स्वागत किया गया। बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष कल्याण सिंह बरिहा, कोषाध्यक्ष फूल सिंह नेताम, सचिव देव रतन सिंह तथा युवा प्रभाग अध्यक्ष कुंदन सिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का संचालन संयोजक इनोसेंट कुजुर ने किया, जबकि अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष यशवंत राज सिंह ने की। प्रांतीय कोषाध्यक्ष ने संगठन के गठन से लेकर उसके उद्देश्यों, नियमावली एवं प्रगति की जानकारी सदस्यों को दी। इसके बाद जिला कार्यकारिणी गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई और विभिन्न पदों के लिए नाम आमंत्रित किए गए। सर्वसम्मति से सुनील मिंज को जिलाध्यक्ष, श्रीमती तेरेसा केरकेट्टा एवं गजेन्द्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों को विभिन्न दायित्व सौंपे गए। युवा प्रभाग के जिलाध्यक्ष के रूप में नवीन कुमार सिदार तथा महिला प्रभाग की जिलाध्यक्ष के रूप में श्रीमती चम्पी राठिया का चयन किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के निर्वाचन पर उपस्थित सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूर्ण समर्थन दिया। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ बैठक की कार्यवाही सम्पन्न हुई। अभ्यर्थियों के नाम एवं पद श्री सुनील मिंज झ अध्यक्ष श्रीमती तेरेसा केरकेट्टा झ उपाध्यक्ष श्री गजेन्द्र सिंह झ उपाध्यक्ष श्री सियाराम पैंकरा झ उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार तिर्की झ सचिव श्री लक्ष्मण सिंह सिदार झ कोषाध्यक्ष श्री एलथेरियुस कुजुर झ सह सचिव श्री मार्टिन टोप्पो झ सह सचिव श्रीमती सुलोचना राठिया झ सह सचिव श्री जालंधर पैंकरा झ सह सचिव श्री नवीन कुमार सिदार झ जिला युवा अध्यक्ष, युवा प्रभाग श्रीमती चम्पी राठिया झ जिला अध्यक्ष, महिला प्रभाग जिला कार्यकारिणी के उपरोक्त पदाधिकारियों के निर्वाचन/मनोनयन पर सभी सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सर्वसम्मति से समर्थन प्रदान किया। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ आज की कार्यवाही सम्पन्न की गई।

बरमकेला क्षेत्र के बीएमओ डॉ. अवधेश पाणीग्राही ने एमबीबीएस के बाद अपनी पीजी डिग्री में सेकेंड टॉपर बने

यह सम्मान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. श्याम बिहारी जायसवाल के हाथों सम्मानित क्षेत्र में खुशी की लहर

बरमकेला/मूक पत्रिका

बरमकेला क्षेत्र के चिकित्सा जगत के लिए गर्व का क्षण उस समय बना जब बीएमओ डॉ. अवधेश पाणीग्राही ने एमबीबीएस के बाद अपनी पीजी डिग्री में सेकेंड टॉपर बनकर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। उनकी इस सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। सहकर्मियों, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा आपकी कड़ी मेहनत, समर्पण और लगन रंग लाई है। यह उल्लेखनीय सफलता आपके उज्जवल भविष्य और शानदार करियर की एक बेहतरीन शुरुआत है। हमें आपकी इस उपलब्धि पर बहुत गर्व है डॉ. पाणीग्राही को यह सम्मान राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. श्याम बिहारी जायसवाल के करकमलों से प्रमाण पत्र प्राप्त होने के साथ मिला, जिसने इस उपलब्धि को और भी गौरवपूर्ण बना दिया। इस अवसर को उनके करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि डॉ. पाणीग्राही ने हमेशा सेवा भाव के साथ क्षेत्र के लोगों का उपचार किया है और अब उनकी शैक्षणिक सफलता से बरमकेला का नाम भी रोशन हुआ है। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े युवा डॉक्टरों के लिए यह उपलब्धि प्रेरणास्रोत बनकर सामने आई है। डॉ. पाणीग्राही की इस सफलता पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। सभी ने विश्वास जताया कि वे आगे भी अपने ज्ञान, अनुभव और सेवा भावना से समाज को निरंतर लाभान्वित करते रहेंगे तथा चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल करेंगे।

मानदेय बढ़ाने और शासकीयकरण की मांग तेज, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दो दिन बंद रहे आंगनबाड़ी केंद्र, 9 मार्च को विधानसभा घेराव की चेतावनी

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । जिले में 26 और 27 फरवरी को आंगनबाड़ी केंद्र पूरी तरह बंद रहे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच, छत्तीसगढ़ के आह्वान पर कार्यकर्ता और सहायिकाएं दो दिन के कामबंद पर रहीं। उन्होंने जिला मुख्यालय में धरना दिया, रैली निकाली और अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नाम ज्ञापन सौंपा गया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि एकीकृत बाल विकास सेवा योजना को 50 साल पूरे हो चुके हैं। इतने लंबे समय से वे गांव-गांव जाकर पोषण अभियान, टीकाकरण, सर्वे, चुनाव ड्यूटी और कोविड जैसे विशेष अभियानों में काम करती रही हैं। इसके बावजूद 2018 के बाद से मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। अभी कार्यकर्ता को 4500 रुपये और सहायिका को 2250 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। उनका कहना है कि इस राशि में घर चलाना मुश्किल है। छत्तीसगढ़ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका महासंघ मंच की जिला अध्यक्ष रेहाना खान और बस्तर संभाग प्रदेश आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की जिला अध्यक्ष रंभा गागड़ा ने कहा कि सालों की सेवा के बाद भी उन्हें शासकीय कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला। पेंशन, ग्रेच्युटी, समूह बीमा और कैशलेस इलाज जैसी सुविधाएं भी नहीं हैं। कई बार जरूरी कारणों से छुट्टी लेने पर मानदेय कट जाता है, जिससे और परेशानी बढ़ती है।

प्रमुख मांगें: आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाए। शासकीयकरण तक कार्यकर्ता को 26 हजार रुपये और सहायिका को 22,100 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाए। हर साल निश्चित वृद्धि हो और सेवानिवृत्ति पर पेंशन व ग्रेच्युटी की व्यवस्था की जाए। संयुक्त मंच ने साफ कहा है कि यदि 8 मार्च तक उनकी मांगों पर कोई ठोस फैसला नहीं हुआ तो 9 मार्च 2026 को प्रदेश भर की करीब एक लाख कार्यकर्ता और सहायिकाएं रायपुर पहुंचकर विधानसभा का घेराव करेंगी। उनका कहना है कि वे केवल सम्मानजनक वेतन और सामाजिक सुरक्षा की मांग कर रही हैं और अब इस मुद्दे पर फैसला होना चाहिए।

उप वन मंडलाधिकारी देवेंद्र गौड़ बोले, सभी कार्रवाई नियम और स्वीकृति के तहत

दुगोली स्थायी नर्सरी में 2.5 लाख पौधों की तैयारी, सूखे 38 वृक्षों की अनुमति लेकर कटाई

बीजापुर/मूक पत्रिका

बीजापुर वनमण्डल अंतर्गत दुगोली स्थित स्थायी नर्सरी में इस वर्ष बड़े पैमाने पर पौध उत्पादन का काम किया जा रहा है। जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर दूर 4.500 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली इस नर्सरी में पहले सीमित स्तर पर पौधे तैयार किए जाते थे, लेकिन अब लक्ष्य बढ़ाकर व्यापक स्तर पर तैयारी शुरू की गई है।वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मुख्य वन संरक्षक, जगदलपुर वृत्त के पत्र क्रमांक 355 दिनांक 15 जनवरी 2026 के तहत एक लाख पौध, पत्र क्रमांक 970 दिनांक 13 फरवरी 2026 के तहत 50 हजार पौध तथा जिला पंचायत बीजापुर की स्वीकृति के तहत एक लाख पौध तैयार करने की अनुमति दी गई है। इस तरह कुल 2.5 लाख पौध तैयार किए जा रहे हैं।

नर्सरी क्षेत्र में बाधा बन रहे सूखे वृक्ष हटाए गए

नर्सरी के चिन्हांकित बेड स्थल के बीच कुछ बड़े और सूखे वृक्ष खड़े थे। विभाग का कहना है कि इनकी घनी छाया के कारण पौधों की वृद्धि प्रभावित हो सकती थी। निरीक्षण के बाद 38 सागौन सहित अन्य प्रजातियों के मरणासन्न वृक्षों की पहचान की गई। वनमण्डलाधिकारी से 16 फरवरी 2026 को विधिवत अनुमति मिलने के बाद ही कटाई की कार्रवाई की गई। कटाई के बाद लकड़ी पर हेमरिंग की गई और नियमानुसार चालान तैयार कर लट्ठों को काष्ठागार डिपो भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

जेसीबी उपयोग पर उठे सवालों का जवाब

बड़े आकार के वृक्षों को हटाने के लिए जेसीबी मशीन का उपयोग किया गया। दिन में मशीन उपलब्ध नहीं होने के कारण कुछ लट्ठों को किनारे तक ले जाने का कार्य देर शाम तक चला।

इसी आधार पर गुपचुप कटाई के आरोप लगाए गए। उप वन मंडलाधिकारी देवेंद्र गौड़ ने कहा कि पूरी प्रक्रिया अनुमति और नियमों के अनुरूप की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की अनियमितता नहीं हुई है और अवैध कटाई की बात निराधार हैं।

संपादकीय

भारत-ब्राजील समझौता- ड्रैगन के एकाधिकार को चुनौती

समझौते में सबसे अहम सहमति दुर्लभ खनिजों और भू-धातुओं को लेकर बनी है, जो आने वाले वर्षों में समूची दुनिया में विकास के सबसे अहम कारक बनने वाले हैं। मौजूदा दौर में दुनिया भर में भू-राजनीति के स्वरूप में जिस तेजी से उतार-चढ़ाव देखे जा रहे हैं, उसमें सभी देशों के सामने अपने भविष्य और विकास की राह सुरक्षित करने की चुनौती दिख रही है। खासतौर पर जिन कारकों पर आने वाले वर्षों में विकास की दिशा निर्भर करेगी, उसके मद्देनजर अलग-अलग देशों के बीच साझेदारी के नए अध्याय तैयार हो रहे हैं, विकल्प की राह खोजी जा रही है। भारत और ब्राजील के बीच हुए समझौते को इसी की एक कड़ी के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें मुख्य रूप से उन बिंदुओं पर सहमति बनी है, जिसमें सहयोग के क्षेत्र में विकल्प के नए रास्ते तैयार हों। आज दुनिया भर में यह चिंता सतह पर देखी जा रही है कि आने वाले वर्षों में विकास का आधार बनने वाले अहम कारकों को लेकर कैसे एक नई आपूर्ति शृंखला बनाई जाए। भारत-ब्राजील के बीच हुआ समझौता इसी संदर्भ में महत्त्वपूर्ण हो जाता है कि इसके जरिए दोनों को अन्य मजबूत देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि इस समझौते में अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को बीस अरब डालर से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसे एक मजबूत आपूर्ति शृंखला बनाने की दिशा में काफी महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते में सबसे अहम सहमति दुर्लभ खनिजों और भू-धातुओं को लेकर बनी है, जो आने वाले वर्षों में समूची दुनिया में विकास के सबसे अहम कारक बनने वाले हैं। इससे तकनीक के क्षेत्र में आदान-प्रदान, नई संभावनाओं की खोज, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह जगजाहिर तथ्य है कि आज लीथियम और कोबाल्ट जैसे अन्य दुर्लभ खनिज तथा भू-धातु विकास के संचालक तत्त्व बन रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जिस तरह इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा क्षेत्र, आधुनिक रक्षा उपकरणों के निर्माण और रोबोटिक्स उत्पादन के क्षेत्र में सभी देश अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं और इस संबंध में ज्यादा बेहतर अवसरों की तलाश में हैं। ऐसे में दुर्लभ खनिजों की मांग में काफी तेजी आने की उम्मीद है। फिलहाल वैश्विक स्तर पर दुर्लभ खनिज प्रसंस्करण के सबसे बड़े हिस्से पर चीन का नियंत्रण है। भारत-ब्राजील के बीच हुए समझौते का एक मुख्य उद्देश्य आधुनिक उद्योग और तकनीक के लिए आवश्यक सामग्री की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना है और साथ ही इस क्षेत्र के प्रमुख आपूर्तिकर्ता और खासतौर पर चीन पर निर्भरता को कम करना है। भारत के लिए यह समझौता इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि ब्राजील को चीन के बाद दुर्लभ खनिजों से समृद्ध दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश माना जाता है।

सफलता का मार्ग बाहर से जितना आकर्षक दिखाई पड़ता है, भीतर से उतना ही कठिन और संघर्षपूर्ण होता है। मनुष्य का जीवन किसी सीधी सड़क की यात्रा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे महासागर की यात्रा है, जिसमें मौसम प्रति पल अपना रंग बदलता रहता है। हवा का रुख कभी यात्रा की दिशा के अनुकूल होता है, तो कभी प्रतिकूल। विशाल जलराशि कभी शांत होती है, तो कभी उग्र। ऐसी दशाओं में नाव का चलना केवल भाग्य या परिस्थितियों पर ही निर्भर नहीं होता, बल्कि वह निर्भर करता है नाविक की सजगता, साहस और खासकर उस पतवार पर, जिसे वह लगातार थामे रहता है। जीवनरूपी महासागर की इस यात्रा में जो तत्त्व पतवार की भूमिका अदा करता है, वह है दृढ़ निश्चय। यह ऐसी शक्ति है, जो मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में भी सही दिशा से भटकने नहीं देती। इसलिए यह कहना कोई अत्युक्ति नहीं कि दृढ़ निश्चय ही जीवन की पतवार है।

हार के बाद भी जो न टूटे, सफलता की असली ताकत है 'दृढ़ निश्चय'

(प्रेरणा अवस्थी)

आज का समय जितना द्रुत है, उतना ही अधिक विचलनशील भी। तकनीक के उन्नयन ने निस्संदेह हमें सुविधाओं का अमूल्य कोष प्रदान किया है, लेकिन साथ ही हमें अधीरता भी एक पार्श्वप्रभाव के रूप में प्राप्त हुई है। विकल्पों की बाढ़ ने हमें विविध अवसर दिए हैं, लेकिन निर्णय की स्थिरता को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है। आज स्थिति यह है कि हम शीघ्रातिशीघ्र परिणाम चाहते हैं, तत्काल स्थापित होना चाहते हैं और बिना संघर्ष के ही सफलता की कल्पना करने लगते हैं। यही कारण है कि मार्ग में उपस्थित छोटे-छोटे अवरोध भी हमें बड़े संकट जैसे प्रतीत होने लगते हैं। कोई कार्य अपनी सिद्धि में थोड़ा समय ले ले, तो हमारा मन हमसे कहता है कि 'इसे छोड़ो'। कार्य में असफलता प्राप्त होने पर मन उसे अपनी क्षमताओं की परिधि से परे समझ लेता है। आलोचना की स्थिति में मन हताशा और नकारात्मकता से भरने लगता है।

ऐसे प्रतिकूल समय में दृढ़ निश्चय ही वह आंतरिक बल है, जो मन को टूटने से बचाता है और विचारों को बिखरकर व्यर्थ नहीं होने देता। दृढ़ निश्चय को कई बार हठ, जिद या कठोरता के साथ जोड़ दिया जाता है। मगर वास्तविक दृढ़ निश्चय का आधार कभी कठोर नहीं होता, बल्कि यह विवेक की कोमलता से निर्मित होता है। दृढ़ निश्चय सदैव सही लक्ष्य चुनकर, सही दिशा पकड़कर, प्रत्येक बाधा को पार करते हुए आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इसकी पतवार में एक अनोखा लचीलापन होता है। परिस्थितियां बदलने पर यह अपनी गति का तरीका भी परिवर्तित कर लेती है, लेकिन प्रत्येक दशा में लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता बनी रहती है। यह व्यक्तित्व को स्थिरता प्रदान करता है। अंतर्मन में विद्यमान भय, आलस्य, निराशा और शंका व्यक्ति की संभावनाओं को समाप्त कर देते हैं। दृढ़ निश्चय ही वह गुण है जो इन शत्रु भावों के प्रति एक अमोघ अस्त्र का कार्य करके इनका शमन करता है और मन को लक्ष्य के साथ बांधे रखता है।

सफलता का मार्ग बाहर से जितना आकर्षक दिखाई पड़ता है, भीतर से उतना ही कठिन और संघर्षपूर्ण होता है। हम अक्सर किसी व्यक्ति की मंजिल को देखते हैं, उस मंजिल तक पहुंचने में उसके द्वारा की गई यात्रा को क्षण में नहीं घटित होते।

दृढ़ निश्चय व्यक्ति को लंबी यात्रा के लिए तैयार करता है। वह उसे सदैव प्रेरित करता है कि मार्ग अवश्य

नहीं। अनेक बार टूटकर भी अपने संकल्प को बचाए रखने के उत्साह को शायद हम नहीं देख पाते। दृढ़ निश्चय का संबंध परिश्रम के साथ धैर्य से भी है। निरंतरता ही मेहनत के मूल्य को निर्मित करती है। यह सीख हमें प्रकृति से सतत रूप से मिलती रहती है। बीज मिट्टी में पड़कर तत्काल वृक्ष नहीं बन जाता। बहता पानी एक ही दिन में नदी के रूप में अपनी पहचान नहीं प्राप्त कर लेता। पर्वतों की विशालता भी सदियों में ही अस्तित्व में आती है। ठीक इसी तरह मनुष्य के भीतर भी बड़े परिवर्तन एक कठिन एवं दुरूह होगा, लेकिन यात्रा को विराम मत देना। छोटे-छोटे संकल्प मन को दृढ़ता प्रदान करते हैं। संकल्पों की ऊर्जा से सिंचित मन ही धीरे-धीरे बड़े संघर्षों के लिए तैयार होता है। दृढ़ निश्चय का आधार है- स्वयं के प्रति ईमानदारी। जो व्यक्ति अपने आप से बार-बार वादा करके तोड़ता है, वह अति शीघ्र भीतर से कमजोर हो जाता है, लेकिन स्वयं के साथ प्रतिबद्ध व्यक्ति आत्मविश्वास के उच्चतम स्तर को प्राप्त कर लेता है।

दृढ़ निश्चय व्यक्ति को परिस्थितियों का दास नहीं बनने देता। यह व्यक्ति को प्रतिकूल परिस्थिति में भी प्रयत्न की निरंतरता को बनाए रखने की शक्ति देता है। नतीजतन, व्यक्ति मानसिक रूप से सशक्त हो जाता है। दृढ़ निश्चय से पूर्ण व्यक्ति गिरकर भी उठता है, रुककर भी फिर चल पड़ता है और हारकर भी जीतने का प्रयास करता है। जीवन में कई बार हम कुछ समय के लिए पीछे चले जाते हैं, लेकिन अगर हमारा संकल्प जीवित है, तो हम फिर से आगे बढ़ जाते हैं। एक महत्त्वपूर्ण बात यह कि दृढ़ निश्चय की पतवार बिना दिशा के नहीं चलती। इसलिए लक्ष्य का चयन भी नितांत महत्त्वपूर्ण है। लक्ष्य ऐसा होना चाहिए जो आत्मा की गहराई से जुड़ा हो। जब लक्ष्य हमारे भीतर से निकलता है, तब दृढ़ निश्चय स्वतः मजबूत होता है। मगर जब लक्ष्य केवल बाह्य प्रदर्शन के लिए होता है, तब वह कठिनाई का वार होते ही टूट जाता है। इसलिए जीवन में सर्वप्रथम यह स्पष्ट होना जरूरी है कि हमें दरअसल चाहिए क्या। उसके बाद उसी लक्ष्य के लिए अपने भीतर दृढ़ निश्चय को उत्पन्न करना चाहिए। आज तेजी से परिवर्तित होती दुनिया, अनियंत्रित प्रतिस्पर्धा और जटिल चुनौतियों के बीच हमें अपने भीतर दृढ़ निश्चय को केवल एक गुण के रूप में ही नहीं, बल्कि जीवन की आधारशिला के रूप में विकसित करना होगा। जो व्यक्ति दृढ़ निश्चय की पतवार थामकर जीवनयात्रा को जारी रखता है, परिस्थितियां उसे लेशमात्र भी क्षति नहीं पहुंचा सकतीं। वे केवल और केवल उसके व्यक्तित्व को निखारने का कार्य करती हैं।

भारत मण्डम् में प्रदर्शन और कांग्रेसी सोच

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

एआई समिट को लेकर समूची दुनिया में भारत की पहल की सराहना हो रही है। अत्याधुनिक अविष्कारों से विकसित हुई आशायें नित नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहीं है। मानवीय क्षमताओं में हो रही इस बढोत्तरी को सकारात्मक दिशा में ले जाने की आवश्यकता है। प्रत्येक कारक के धनात्मक और नकारात्मक दो पक्ष होते हैं। अच्छे प्रयासों को आगे बढाने के लिए अवरोधों, समस्याओं और कठिनाइयों को रोकना पडता है। इन्हीं चिन्ताओं को दूर करने तथा भविष्य को स्वर्णिम बनाने हेतु समिट में योजनायें तैयार की गयी हैं। संसार को सुरक्षित रखते हुए विकास को पंख देने का काम मां भारती की गोद में हुआ है। इससे न केवल देश की साख को चार चांद लगे बल्कि दुनिया को दिशा देने वाले राष्ट्रों की श्रंखला में ऊंची छलांग भी लगी है। इसी समिट के दौरान कांग्रेस पार्टी ने देश की छवि खराब करने की मंशा से भारत मंडपम् में अभद्र प्रदर्शन ही नहीं किया बल्कि देश के प्रधानमंत्री के विरोध में नारेबाजी भी की। कपडे उतारे और आक्रामकता भी दिखाई। देश का प्रधानमंत्री राष्ट्र का व्यवस्था प्रमुख माना जाता है। इस तरह की हरकत राष्ट्र के माथे पर कलंक के टीके की तरह स्थापित हो गई है। सत्ता के कई विपक्षी दलों ने सरकार का समर्थन करते हुए कांग्रेस के इस राष्ट्रविरोधी कृत्य की मुक्त कंठ से भर्त्सना की है। अनेक गैर राजनैतिक संगठनों ने इस कृत्य की कडे शब्दों में निंदा करते हुए कांग्रेस के वंशवादी नेता राहुल गांधी से माफी मांगने तक की बात कही है। अतीत गवाह है कि राष्ट्र की प्रत्येक उपलब्धि पर सबूत मांगने, सेना को हतोत्साहित करने, आतंकवादियों को समर्थन देने, उपद्रवियों को मासूम बताने, भारत के टुकडे-टुकडे करने की ख्वाइश रखने वालों का पक्ष लेने जैसे अनेक कृत्यों में कांग्रेस ने हमेशा से ही सक्रिय भागीदारी दर्ज की है। धर्म के नाम पर देश के बटवारे, अल्पसंख्यक के नाम पर अयोग्य लोगों की भर्ती, सम्प्रदाय के नाम पर नसबंदी, उपासना पद्धति के नाम पर सरकारी कब्जे, श्रद्धा की सम्पत्ति पर पक्षपातपूर्ण व्यवस्था जैसे अनेक उदाहरण कांग्रेस काल की सत्ता को एक पक्ष के लिए दमनकारी तो दूसरे के लिए समर्थनकारी के रूप में परिभाषित करते हैं। विदेश दौरों पर राष्ट्र को कोसने वाले वंशवादी कांग्रसी नेता ने हमेशा ही राष्ट्रीय विकास, उपलब्धियों के प्रचार और शान्ति के प्रयासों पर नकारात्मक वातावरण बनाने का प्रयास किया। चुनावी पराजय की बौखलाहट में राष्ट्रहितों को मौथला करने के प्रयासों को गति देकर पार्टी की आक्रामकता दिखाना अब कांग्रेस के लिए ही आत्मघाती कदम साबित हो रहा है। वर्तमान नीतियों-रीतियों, आदर्श-सिद्धान्त और नेतृत्व-कृतत्व से राष्ट्र की छवि को खराब करने के प्रयास करने वाले केवल और केवल स्वार्थ सिद्धि, सम्मान सिद्धि और सत्ता सिद्धि के लक्ष्य भेदन हेतु कुछ भी करने के लिए संकल्पित प्रतीत हो रहे हैं। जहां संसद की गरिमा को प्रत्येक सत्र में तार-तार होने के कीर्तमान गढने वाले दल अपनी कलुषित मानसिकता को प्रदर्शित कर रहे हैं वहीं अब विदेशों के ख्यातिलब्ध प्रतिनिधियों के साथ मिलकर किये जा रहे सार्थक प्रयासों पर भी कालिख पोतने का काम शुरू हो गया है। सात समुन्दर पार जाकर मनगढन्त आंकडों के आधार पर देश को पतनोन्मुखी बताने वाले आर्थिक उन्नति के विश्व व्यापी आख्याओं तक को नजरंदाज कर रहे हैं। देश के लिए खाई खोदने वाले विदेशियों से दलबहियां करने, शत्रुता की मानसिकता वाले राष्ट्रों के साथ निजी आर्थिक संबंध बनाने, पौराणिक संस्कृतियों के अस्तित्व को नकारने, चुनावी काल में बहुरूपियों की तरह धार्मिक श्रंगार करने, निजी जीवन में सनातन को झुठलाने जैसे अनेक व्यवहारिक उदाहरणों से वास्तविकता का स्वतः ही बोध हो जाता है। भारत मण्डम् की घटना और उससे उचित ठहराने की ढीठता से कांग्रेस एक बार फिर समूचे देश में निंदा का शिकार हो रही है। उसकी सर्वत्र भर्त्सना हो रही है। निजी हितों की रक्षा के लिए कांग्रेस का दमन थामने वाले चन्द लोग ही इस तरह के कृत्यों में शामिल दिखाई दे रहे हैं। मंच, माला, माइक के भूखे लोगों के अपने स्वार्थ हैं जो राजनैतिक दल के छते के तले निरंतर फल फूल रहे हैं। इन्हीं लोगों की चाटुकारिता की दम पर वंशवादी राजनीति अस्तित्व में बनी हुई है अन्यथा आम आवाम की सोच अब बदलती प्रतीत हो रही है।

सनातन से एआई समिट तक, विवादों की आंधी में सियासत

(सुधीश पचौरी)

एक बार फिर वही 'राग' कि 'मनुवाद से आजादी जातिवाद से आजादी..।' एक चैनल में एक किशोर 'बटुक' क्षोभ प्रकट करता रहा कि पूरी सृष्टि उथल-पुथल हो जाएगी। ऐसा 'सतयुगी क्षोभ' सुनकर दया आती रही कि बटुक महाराज किस युग के मिथक में रह रहे हैं! एक पल 'अपमानित', लेकिन दूसरे पल ही 'अभिमानित' ! एक उपमुख्यमंत्री 101 बटुकों का सम्मान करते हैं। भोजन कराते हैं। पुष्प वर्षा करते हैं। 'बटुक' वेदमंत्रों का उच्चारण करते दिखते हैं। एक एंकर कटाक्ष करता है- वाह! पहले शिखा खींचो, फिर नुकसान की भरपाई करने की कोशिश करो, भोजन कराओ।

इसे देख कर एक ओर विपक्ष मस्त, दूसरी और बाबा और बाबा के बीच टकराव जारी। एक बाबा दुर्दमनीय, तो दूसरे बाबा और भी दुर्दमनीय। असली सवाल यह कि कौन बाबा असली, कौन नकली ! ऐसे सवाल से आहत एक बाबा इतने क्षुब्ध दिखे कि उन्होंने बड़े उपदेशक बाबा के उपदेश कि 'हिंदू तीन बच्चे पैदा करें' पर यह कह दिया कि पहले शादी कर बच्चे पैदा कर लो, फिर दूसरों से कहना कि इतने बच्चे पैदा करो।

फिर एक दिन जैसे ही बड़े बाबा ने 'घर वापसी का काम तेज करने' की लाइन दी, वैसे ही एक बड़े अल्पसंख्यक संगठन के मुखिया ने बहस को एक झटके में और भी 'गरम' कर दिया कि ये नफरत फैलाने वाला बयान है। बहरहाल, 'वंदे मातरम्' से लौटते हुए बाबाओं के बाबा की ट्रेन पर पत्थर मारे जाते हैं। किसने किया, यह साफ नहीं।

दरअसल, इन दिनों 'सनातन' ही 'सनातन' से नाराज है। यह सब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के 'समान नियमों' का फलागम है। विश्वविद्यालयों में टकराव जैसा सुलग रहा है। परिसरों और सोशल मीडिया में 'जाति घृणा' बरसती है। एक चर्चक कहता है कि कुछ राजनीतिक बाबाओं ने सोचा होगा कि 'सवर्ण वोट बैंक' तो अपना हैज वह कहां जाएगा ! आकर्षित करना है तो नया वोट बैंक बनाओ और जीतो। सनातनवादियों की इस 'पलटी' से 'सवर्ण मतदाता' इतने क्षुब्ध और क्रुद्ध दिखे कि बड़े बाबा तक की सभाओं का बहिष्कार करने लगे। हालत यह है कि बड़े बाबा की सभाओं में अधिकतर कुर्सियां खाली दिखती हैं। जैसे ही 'सनातन' में कलह बढ़ी, वैसे ही कुछ लोग 'टीपू-टीपू' करने लगे कि टीपू अंग्रेजों के खिलाफ लड़ा शहादत दी.. !

अधूरे सामाजिक बदलाव की चुनौती, कानून से आगे संकल्प और क्रांति की जरूरत

महात्मा गांधी ने 1933 में वर्धा के राम मंदिर से अस्पृश्यता के विरुद्ध अभियान शुरू किया, जो नौ महीने चला। गांधी को लगातार विरोध, प्रश्नों और कुतर्क पर आधारित विवादों का सामना करना पड़ा था। पर वे लक्ष्य के प्रति संकल्पित रहे। वह अंतिम सुनियोजित, सुविचारित और गैर-राजनीतिक प्रयास साबित हुआ। लिंकन के सामने राजनीतिक विद्रोह और राष्ट्र के विघटन की चुनौती थी। आखिर गृहयुद्ध हुआ। दास प्रथा मिटी, राष्ट्र की एकता भी बची रही। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक निर्देश से लोग रातोरात दो खेमों में बंट गए। अचानक सैकड़ों 'परीक्षक' सामने आ गए, जो हर किसी पर इस या उस पार होने के विकल्प के साथ प्रश्न खड़ा करने लगे।

(राकेश सिन्हा)

यह समस्या पानी के बुलबुले की तरह है, पर ऐसे परेशान करने वाले सवाल आगे नहीं आएंगे, इसकी गारंटी कोई नहीं दे सकता है। मूल समस्या तात्कालिकता में नहीं है। सामाजिक बदलाव के अधूरे सपने और आधे मन से प्रयास के कारण हम अपेक्षित सामाजिक रचना के लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए हैं। न अस्पृश्यता समाप्त हुई, न जातीय चेतना की जड़ें हिल पाईं। ऐसा क्यों हुआ, इसका उत्तर ही समाधान की राह बताता है। प्रत्येक समाज की अपनी यात्रा में कभी न कभी कठिन और कठोर प्रश्नों का सामना करना पड़ता है। तब उसके दो विकल्प होते हैं। पहला, उसे टालना और भविष्य पर छोड़ देना तथा उसका प्रत्यक्ष सामना करने से बच निकलना। यह अधिक प्रचलित रास्ता है। दूसरा, स्वतंत्रता और समानता के बुनियादी उसूलों को सामने रखकर उसका सामना करना। इतिहास ने साबित किया है कि दूसरा रास्ता ही फलदायी रहा है।

यहां अमेरिका की एक ऐतिहासिक घटना का उल्लेख उपयोगी है। वहां राजनीतिक रूप से प्रभावशाली, सामाजिक रूप से 'प्रतिष्ठित', आर्थिक रूप से संपन्न- सभी दास प्रथा से लाभान्वित थे। अमेरिका के तेरहवें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने जब इसे समाप्त करने का संकल्प लिया, तब उनके सामने विलक्षण स्थिति थी। उनके मंत्रिमंडल में एक भी अपवाद नहीं था, जिसके पास पचास-सौ दास नहीं हो। यहां तक कि अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति थामस जैफरसन जो 'सभी मनुष्य बराबर है' के प्रवचनकर्ता थे, वे भी इस गैरबराबरी के पोषक थे। भले ही तब लिंकन को पता नहीं था, पर इतिहास ने इस कड़वे सच से भी पर्दा उठा दिया। दोहरे चरित्र का यह चरम था।

लिंकन के सामने राजनीतिक विद्रोह और राष्ट्र के विघटन की चुनौती थी। आखिर गृहयुद्ध हुआ। दास प्रथा मिटी, राष्ट्र की एकता भी बची रही। गेटिसबर्ग में गृह युद्ध में मारे गए, लापता हुए लोगों के लिए बने स्मारक के उद्घाटन भाषण में 19 नवंबर 1863 को लिंकन ने इस सफलता का जो कारण बताया, वह लोकतंत्र की सर्वमान्य परिभाषा बन गई, 'जो सरकार जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए होती है, वह पृथ्वी से कभी नहीं मिट सकती है।'

इसका साफ संदेश था सामाजिक बदलाव के लिए संकल्प ही नहीं, मन को दृढ़ करने की आवश्यकता होती है। अमेरिकी सामाजिक संरचना में परिवर्तन स्वतंत्रता, समानता के उद्घोषक जैफरसन के भाषणों से नहीं, लिंकन के साहस से हो पाया। भारत की सामाजिक परिस्थितियां और बुराइयां अमेरिका से भिन्न हैं। इसलिए यहां अमेरिका की तरह बदलाव राजनीतिक हस्तक्षेप से नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति से ही संभव है। पिछली शताब्दी के पचास-साठ के दशकों में राजनीतिक दलों ने जातिवाद को मिटाने का संकल्प दिखाया था। दीनदयाल उपाध्याय, राममनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण इसके बड़े नायकों में थे। दीनदयाल तो 1963 में जातिवाद के विरुद्ध अपने उद्गारों से जौनपुर की जीती हुई सीट हार गए। तब और अब में एक चिंताजनक बदलाव हुआ है। उस काल में अस्पृश्यता और जातीय पहचान को राजनीति में नफा-नुकसान के अंदाज से कम देखा जाता था। इसलिए उस काल के राजनीतिक कार्यकर्ताओं में सर्वसमावेशी चरित्र की मात्रा अधिक थी। पर समकालीन भारत में गजब का विरोधाभास है। एक ओर आधुनिक संपन्नता और बहुत सारी जगहों पर विश्वविद्यालयों की चमचमाती बहुमंजिला इमारतें हैं, वहीं लोग 'जातीय चेतना' में गोलबंद हो रहे हैं। आखिर चूक कहां हुई? स्वतंत्रता के बाद अस्पृश्यता और जातिवाद का हल संवैधानिक रास्ते से करने का प्रयास हुआ। इसने सामाजिक रास्ते से परिवर्तन के प्रयास का अर्ध-राजनीतिकरण कर दिया। परिणाम सामने है- 'नौ दिन चले, ढाई कोस'। कानून और अवसर की समानता की गारंटी सामाजिक सोच नहीं बदल पाती है, न ही शुद्ध सांस्कृतिक पहचान की स्थापना के द्वारा इसे बदला जा सकता है। समस्या की जड़

में सामंती मानसिकता है, जो संविधान में घोषित समानता और भ्रातृत्व को जमीन पर उतरने नहीं देती है। स्वतंत्रता से पूर्व सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण ने निदान की राह खोली। आर्य समाज, प्रार्थना समाज, ब्रह्म समाज, सत्यशोधक समाज आदि सामाजिक समानता की चेतना जागृत करते रहे। चाल धीमी, पर प्रभावी थी। उन सबके द्वारा सामाजिक उन्नति को सुधार और सांस्कृतिक चेतना, दोनों के द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा था। महादेव गोविंद रानाडे का सामाजिक सुधार सम्मेलन शिक्षित और संपन्न लोगों को उस दलदल से निकाल रहा था। महात्मा गांधी ने 1933 में वर्धा के राम मंदिर से अस्पृश्यता के विरुद्ध अभियान शुरू किया, जो नौ महीने चला। गांधी को लगातार विरोध, प्रश्नों और कुतर्क पर आधारित विवादों का सामना करना पड़ा था। पर वे लक्ष्य के प्रति संकल्पित रहे। वह अंतिम सुनियोजित, सुविचारित और गैर-राजनीतिक प्रयास साबित हुआ। सामाजिक प्रश्नों पर राजनीति का वर्चस्व अब एकाधिकार तक पहुंच गया है। परिणामतः विवेक और तर्क तथा दीर्घकालिक सोच का उपयोग समाप्त हो गया है। सामाजिक बुराइयों को सामाजिक संघर्ष का रूप देना राजनीति में उपयोगी हो गया। इसमें हर पक्ष की अपनी दलील और अपना स्वार्थ होता है। बाबा साहब आंबेडकर ने प्रश्न खड़ा किया था कि कांग्रेस, हिंदू महासभा, साम्यवादियों और साधु-संतों ने अस्पृश्यता समाप्त करने के लिए क्या किया है? अब इस प्रश्न की प्रासंगिकता और इसका दायरा, दोनों बढ़ गए हैं- 'हम सबने अस्पृश्यता और जातिवाद को मिटाने के लिए क्या किया है?' समकालीन समाज तेजी से बदल रहा है। हर दिन अखबारों और डिजिटल माध्यमों में पीड़ा, असमानता और संघर्ष की खबरें आम हो गई हैं। आदिवासी अंचलों में विस्थापन, शहरों की ओर बढ़ता पलायन, शिक्षा से बाहर होते बच्चे और महिलाओं के साथ होती हिंसा- ये अब केवल घटनाएं नहीं, बल्कि आंकड़ों में दर्ज सच्चाइयां हैं। इन पर हम दुख व्यक्त करते हैं, सहानुभूति जताते हैं, लेकिन हमारा सामाजिक आचरण अक्सर वहीं ठहर जाता है।

1 सोख्ता गड्ढा संतान के नाम हेतु कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने श्रम दान कर ग्रामीणों को किया प्रेरित

मोर गांव, मोर पानी, जल संगवारी महाअभियान

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे की अध्यक्षता में 'मोर गांव, मोर पानी जल संगवारी महाअभियान' के अंतर्गत जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोतरी में ÷1 सोखता गड्ढा एक संतान के नाम÷ कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ इंद्रजीत बर्मन विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक घर में सोख्ता गड्ढा निर्माण को बढ़ावा देना है, ताकि गिरते जल स्तर को सुधारने में मदद मिल सके। पंचायत के अधिकारियों ने बताया कि सोख्ता गड्ढों के माध्यम से जमीन में पानी का रिसाव बढ़ेगा और भविष्य में जल स्रोतों में वृद्धि की संभावना बनेगी। इस अभियान में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। जिला पंचायत सीईओ ने जानकारी दी कि जिन ग्रामीणों के पास पर्याप्त जमीन है, वे मनरेगा योजना के तहत डबरी निर्माण का प्रस्ताव दे सकते हैं। डबरी निर्माण का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। डबरी के माध्यम से मछली पालन कर अतिरिक्त आय भी अर्जित की जा सकती है। जिले में एक ही दिन में 8 हजार से अधिक सोखता गड्ढा निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए जनसहयोग से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। हर पंचायत में 'जल संगवारी' बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं, जो लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करेंगे।उल्लेखनीय है कि ग्राम कोतरी में पेयजल की समस्या गंभीर है और यहां 300 फीट से नीचे पानी मिलता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने सभी ग्रामीणों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में कलेक्टर ने कहा कि जल संकट धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। बेकार बहने वाले पानी के कारण जल की बर्बादी और मच्छरों की समस्या बढ़ती है, इसलिए सभी को अपने घरों में सोखता गड्ढा बनाना आवश्यक है।कलेक्टर ने बच्चों के शिक्षा और भोजन को जाँचा और जर्जर स्कूल भवन को तोड़ने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने कोतरी के प्राथमिक शाला का निरीक्षण कर मध्यान्ह भोजन एवं पढ़ाई की स्थिति की जानकारी ली। कक्षा चौथी और पांचवीं का निरीक्षण किया गया तथा मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर भी चर्चा की गई। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कोतरी में कक्षा आठवीं का निरीक्षण किया गया, जहां विद्यार्थियों की उपस्थिति कम पाई गई। कक्षा छठवीं के विद्यार्थियों से साप्ताहिक दिनों के नाम पूछे गए, जिसका बच्चों ने संतोषजनक उत्तर दिया। विद्यालय के पुराने जर्जर भवन को डिस्मेंटल कराने के निर्देश भी दिए गए।

बीजापुर सहित चार जिलों में संशोधित गाइडलाइन दरें 27 फरवरी से लागू

केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की मंजूरी के बाद नए सर्किल रेट प्रभावी, पंजीयन कार्यालयों में मिलेगी जानकारी

बीजापुर/मूक पत्रिका

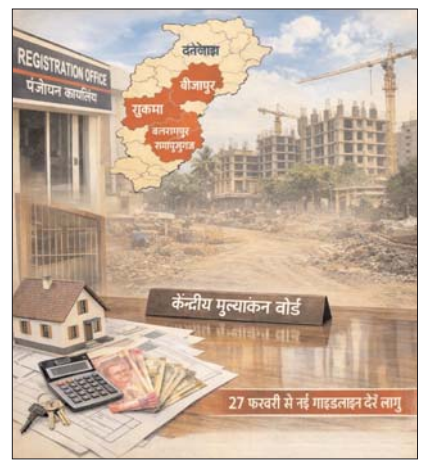

आशीष पदमवार । प्रदेश में संपत्ति पंजीयन से जुड़ी गाइडलाइन दरों को लेकर अहम निर्णय लिया गया है। राज्य शासन द्वारा 20 नवम्बर 2025 से नई गाइडलाइन दरें लागू की गई थीं, जिसके बाद जिलों को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर संशोधन प्रस्ताव भेजने की छूट दी गई थी। अब बीजापुर सहित चार जिलों के प्रस्तावों को मंजूरी मिल गई है और संशोधित दरें 27 फरवरी से प्रभावी हो गई हैं। शासन के निर्देश पर जिला मूल्यांकन समितियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की जमीन और संपत्ति की स्थिति का आकलन कर संशोधन प्रस्ताव तैयार किए थे। दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा और बलरामपुर-रामानुजगंज जिलों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार के लिए केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में हुई, जिसमें सभी प्रस्तावों की बारीकी से जांच और चर्चा की गई।विस्तृत परीक्षण के बाद बोर्ड ने चारों जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरों को अनुमोदन दे दिया। इसके साथ ही इन जिलों में नई दरें 27 फरवरी 2026 से लागू कर दी गई हैं।

क्या होगा असर

गाइडलाइन दरें संपत्ति की न्यूनतम पंजीयन कीमत तय करती हैं। नई दरें लागू होने के बाद जमीन और भवनों की रजिस्ट्री इन्हीं संशोधित दरों के आधार पर होगी। इससे पंजीयन शुल्क और स्टाम्प शुल्क पर भी प्रभाव पड़ेगा।प्रशासन ने आम नागरिकों और हितधारकों से अपील की है कि वे नई दरों की जानकारी संबंधित जिला पंजीयन कार्यालयों या विभाग की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त कर लें, ताकि रजिस्ट्री के समय किसी तरह की असुविधा न हो।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ ब्लॉक के निर्माण कार्यों का किया आकस्मिक निरीक्षण

नर्सरी, महतारी सदन, छात्रावास और सामुदायिक भवन निर्माण से जुड़े अधिकारियों व ठेकेदारों को गुणवत्ता सुधार करने के निर्देश

डॉ कन्नौजे ने कन्या छात्रावास में भोजन और सुरक्षा व्यवस्था का किया जांच

कलेक्टर ने शासकीय नर्सरी पेंड्रावन का निरीक्षण किया

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ विकासखंड के विभिन्न शासकीय संस्थानों एवं निर्माण कार्यों का कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुणवत्ता और निर्माण से जुड़ी जानकारी भी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए।कलेक्टर ने शासकीय नर्सरी पेंड्रावन का निरीक्षण किया, यहां लगभग सवा एकड़ भूमि में मेथी की खेती की जा रही है, जिसकी प्रगति की जानकारी ली गई। साथ ही नर्सरी में किए गए फेंसिंग कार्य का भी निरीक्षण किया गया। डीएमएफ मद से लगभग 9 लाख रुपये की लागत से कराए गए चैन फेंसिंग कार्य की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शासकीय नर्सरी पेंड्रावन में आय के स्रोतों की जानकारी भी ली।

अधिकारियों ने बताया कि नर्सरी लगभग 10 एकड़ में फैली हुई है, जिसमें लगभग 2 एकड़ में आम का बगीचा लगा है। यहां 95 आम के पेड़ हैं और 4 विभिन्न प्रजातियों के आम लगाए गए हैं। नर्सरी के सामने पेंड्रावन में 25 लाख रुपये की लागत से बन रहे महतारी सदन भवन का भी कलेक्टर ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता खराब पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने ठेकेदार और इंजीनियर को गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने शासकीय प्री मैट्रिक अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास पेंड्रावन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया गया। छात्रावास अधीक्षिका ने बताया कि यहां कक्षा 6वीं से 10वीं तक की छात्राएं निवास करती हैं। 50 सीटर इस छात्रावास में निरीक्षण के दिन 5 छात्राएं उपस्थित मिलीं। कलेक्टर ने छात्राओं के लिए बनाए जा रहे भोजन की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत कोट में बन रहे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा तथा सरसीवा तहसीलदार आयुष तिवारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने 12वी बोर्ड परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

12वीं बोर्ड के जीव विज्ञान एवं अर्थशास्त्र विषय के परीक्षा का कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों में जाकर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंद परीक्षा केंद्र में कुल 110 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। निरीक्षण के दौरान 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। कलेक्टर ने केंद्र में बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण, सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर शिक्षा शर्मा भी उपस्थित रहीं।इसी क्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंधाईभाठा का भी निरीक्षण किया गया। यहां 2 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए। कलेक्टर ने केंद्र प्रभारी से उड़नदस्ता दल की उपस्थिति एवं निरीक्षण की जानकारी भी ली और परीक्षा संचालन संबंधी दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल बालपुर का भी निरीक्षण किया। इस केंद्र में सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे और परीक्षा शांतिपूर्वक संचालन पाया गया। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने सभी केंद्रों में निष्पक्ष एवं व्यवस्थित परीक्षा संचालन के निर्देश दिए तथा अधिकारियों को नियम अनुसार व्यवस्था बनाने कहा। जिले में 12वीं बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रहा है।

निर्माणाधीन नालंदा परिसर का कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने किया निरीक्षण

कलेक्टर ने ठेकेदार को श्रमिक की संख्या बढ़ाकर 1 वर्ष में गुणवत्ता सहित कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

नालंदा परिसर भवन निर्माण का कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिला मुख्यालय सारंगढ़ के रानीसागर क्षेत्र में जिला अंत्यावसायी विकास निगम के प्रशिक्षण केंद्र (टीसीपीसी) परिसर में गुरुवार को पहुंच कर भवन निर्माण कार्य की प्रगति की अवलोकन किया। कार्य की गति धीमी पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और ठेकेदार को श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य हर हाल में एक वर्ष के भीतर पूर्ण किया जाए। साथ ही परिसर में स्थित जर्जर भवन को शीघ्र डिस्मेंटल करने के निर्देश दिए। नालंदा परिसर के पीछे लाइवलीहुड कॉलेज का निर्माण प्रस्तावित है, जिसके लिए कलेक्टर ने स्थल निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

जिला टास्क फोर्स ने कोसीर क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन कर रहे वाहनों पर किया कार्यवाही

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कंन्नौजे द्वारा दिये गये निर्देश एवं खनि अधिकारी बजरंग पैकरा के मार्गदर्शन में विगत दिवस को राजस्व विभाग, पुलिस विभाग तथा खनिज अमला जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ द्वारा तहसील सारंगढ़ के कोसीर क्षेत्र अंतर्गत गौण खनिज रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 03 वाहन, ट्रैक्टर क्रमांक छ्त्न 22 च 2899, छ्त्न 06 त्नह 3005, छ्त्न 13 ङ्ख 8871 एवं 01 ट्रैक्टर सोनालिका सोल्ड पर कार्यवाही करते हुए थाना कोसीर के सुरक्षार्थ में दिया गया। यह कार्यवाही छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 एवं खान एवं खनिज विकास अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई। अवैध उत्खनन परिवहन एवं भण्डारण पर कार्यवाही आगे भी कलेक्टर के निर्देशानुसार की जायेगी।

किसानों को 28 फरवरी को मिलेगा धान का बोनस

सारंगढ़-बिलाईगढ़। खरीफविपणन वर्ष 2025-26 में जिले के 84058 किसानों ने अपना कुल 442948.84 मे.टन धान विक्रय किया है, जिसके अंतर राशि का भुगतान शनिवार 28 फरवरी को ''कृषक उन्नति योजना'' के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा खेल मैदान रहंगी ब्लॉक बिल्हा, जिला बिलासपुर से जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के किसानों के खाते में सीधे डीबीटी के माध्यम से 3237.96 लाख रुपये का हस्तांतरण होगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के शुक्ला भवन, विशालपुर, रायपुर रोड़ सारंगढ़, जनपद पंचायत बरमकेला सभाकक्ष एवं जनपद पंचायत बिलाईगढ़ के सभाकक्ष से कार्यक्रम के सीधा प्रसारण से जुड़ सकेंगे।

लटोरी में शिक्षा का उत्सवः वार्षिक समारोह में सम्मान, संस्कृति और संकल्प का संगम

सूरजपुर/लटोरी/मूक पत्रिका

उमा विंध्यवासिनी संस्कार महाविद्यालय, लटोरी में 23 फरवरी 2026 को आयोजित वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह शिक्षा और संस्कार का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा। पूरे परिसर में उल्लास, अनुशासन और रचनात्मकता का वातावरण दिखाई दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित लक्ष्मी राजवाड़े (कैबिनेट मंत्री, महिला एवं बाल विकास, छत्तीसगढ़ शासन) की अनुपस्थिति में कार्यक्रम मंत्री प्रतिनिधि के रूप में पप्पू साहू ने संबोधित किया। अध्यक्षता विश्व विजय सिंह तोमर (अध्यक्ष, भाजपा राज्य युवा आयोग) ने की। विशिष्ट अतिथियों में ठाकुर प्रसाद राजवाड़े, नूतन विश्वास तथा ग्राम पंचायत लटोरी के सरपंच युवत कुमार सिंह शामिल रहे।मंत्री प्रतिनिधि पप्पू साहू ने अपने संबोधन में कहा कि युवाओं का जोश तभी सार्थक है जब वह स्पष्ट लक्ष्य और अनुशासित प्रयास से जुड़ा हो। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।प्राचार्य शिल्पी श्रीवास्तव ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, सांस्कृतिक गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। व्यवस्थापिका दीप्ति श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर प्रगति का आह्वान किया।सांस्कृतिक कार्यक्रमों में संगीत, नृत्य और नाटक की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्थानीय लोक-कलाओं की झलक ने आयोजन को विशेष पहचान दी। विद्यार्थियों की प्रस्तुति में आत्मविश्वास और रचनात्मकता स्पष्ट झलक रही थी। शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। बीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा रूपमती देव को सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के खिताब से नवाजा गया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभागाध्यक्ष भागीरथी पातर और हिंदी विभागाध्यक्ष अनीता विश्वकर्मा ने प्रभावशाली ढंग से किया। समारोह में छात्र-छात्राएं, शिक्षक और अभिभावकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।सामूहिक सहयोग और सुसंगठित व्यवस्था ने इस आयोजन को न केवल भव्य बनाया, बल्कि विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का मंच भी सिद्ध किया।

लंबित मामलों पर सख्ती, धीमी प्रगति पर नाराजगी

सूरजपुर पुलिस की सख्त चेतावनी: होली पर हुड़दंग नहीं, नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई

सूरजपुर/मूक पत्रिका

होली पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था और यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के लिए सूरजपुर पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। 27 फरवरी 2026 को जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में डीआईजी/एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि होली के नाम पर सड़क पर हुड़दंग, नशे में वाहन चलाना और स्टंटबाजी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में लंबित अपराध, शिकायतें, गुम इंसान और धारा 173(8) के प्रकरणों की समीक्षा की गई। प्रकरणों के निराकरण में धीमी प्रगति पर संबंधित प्रभारियों को फटकार लगाई गई। आरोपियों की पतासाजी तेज कर शीघ्र गिरफ्तारी और विधिसम्मत निराकरण के निर्देश दिए गए।

होलिका दहन से होली तक कड़ी निगरानी- होलिका दहन की रात्रि और होली के दिन शहर के प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों और चौक-चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा।

ब्रीथ एनालाइजर से सघन जांच- नशे में वाहन चलाने वालों पर त्वरित कार्रवाई, स्टंटबाजी और मॉडिफाइड साइलेंसर पर प्रतिबंध, तेज रफ्तार और ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नियमों की अनदेखी करने वालों पर सीधे दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

थानों में जवाबदेही और तकनीकी दक्षता पर जोर- थाना-चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि फरियादियों की शिकायतों पर गंभीरता से सुनवाई हो, समंस-वारंट की तामीली में लापरवाही न हो तथा निगरानी बदमाशों की नियमित जांच की जाए। [illegible] से जुड़े मामलों में सख्त विवेचना सुनिश्चित करने और विवेचक-जवानों को तकनीकी कार्यों में दक्ष बनाने पर भी बल दिया गया। थाना प्रतापपुर और चंदौरा के कार्य की सराहना की गई।

नागरिकों से सहयोग की अपील- पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि होली को मर्यादित और सुरक्षित वातावरण में मनाएं, नशे की हालत में वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 94791-93999 पर दी जा सकती है। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी, डीएसपी सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर में KWC Luxurio की शानदार एनिवर्सरी: रकुल प्रीत सिंह की मौजूदगी में सजा लग्ज़री और विरासत का जश्न

इंदौर में एक ग्लैमरस और यादगार शाम देखने को मिली, जब KWC Luxurio ने अपनी एनिवर्सरी के मौके पर बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह की मौजूदगी में एक खास पार्टी का आयोजन किया। शाम शानदार डेकोर, लाइव म्यूज़िक और खास मेहमानों, घड़ियों के शौकीनों और शहर के एलीट लोगों की मौजूदगी से और भी मज़ेदार हो गई। अपनी विज़िट के दौरान, रकुल प्रीत सिंह ने कुछ बढ़िया घड़ियाँ देखीं और कमल ग्रुप के डायरेक्टर से बातचीत की, जिससे उन्हें ब्रांड की विरासत और कारीगरी के बारे में जानकारी मिली — जिससे यह सेलिब्रेशन इंदौर में लग्ज़री रिटेल के लिए सचमुच एक खास पल बन गया। लगभग छह दशक पहले चेयरमैन श्री चांदमल तोतला द्वारा शुरू की गई, कमल वॉच कंपनी एक भरोसेमंद वॉच रिटेलर से बढ़कर प्रीमियम वॉच रिटेल में भारत के सबसे जाने-माने नामों में से एक बन गई है।

सैमसंग इंडिया ने लॉन्च की अपनी सबसे एडवांस्ड AI फोन सीरीज़—गैलेक्सी S26; शानदार ऑफर्स के साथ प्री-ऑर्डर शुरू

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने घोषणा की है कि उसकी बहुप्रतीक्षित गैलेक्सी S26 सीरीज़ आज से भारत में प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध है। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा, गैलेक्सी S26+ और गैलेक्सी S26 अब तक का सबसे आसान और नैचुरल 'एजेंटिक एआई' मोबाइल अनुभव देते हैं। चाहे बात प्लानिंग की हो, जानकारी खोजने की या फिर कंटेंट को कैप्चर और एडिट करने की—गैलेक्सी S26 सीरीज़ हर काम को इतना आसान बना देती है कि यूजर्स को तकनीक की बारीकियों के बजाय सिर्फ बेहतरीन नतीजों पर ध्यान देना होता है। गैलेक्सी S26 सीरीज़ को सैमसंग की सबसे बेहतरीन खूबियों—दमदार परफॉर्मेंस, शानदार कैमरा सिस्टम और गैलेक्सी एआई—को मिलाकर तैयार किया गया है। यह तालमेल गैलेक्सी S26 यूजर्स को सुरक्षा या प्राइवेसी से समझौता किए बिना पूरे दिन बेधड़क अपने फोन पर निर्भर रहने का भरोसा देता है। डिस्प्ले तकनीक में दशकों के नवाचार को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग ने गैलेक्सी S26 अल्ट्रा के साथ मोबाइल इंडस्ट्री का पहला इन-बिल्ट प्राइवेसी डिस्प्ले पेश किया है। यह पिक्सेल लेवल पर प्राइवेसी के प्रति सैमसंग की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। गैलेक्सी S26 अल्ट्रा में कस्टमाइज्ड चिपसेट और पहले से बेहतर थर्मल मैनेजमेंट भी दिया गया है, जो AI को और भी तेज और शक्तिशाली बनाता है - और यह सब अब तक के सबसे स्लिम (7.9 मिमी) अल्ट्रा डिज़ाइन में समाहित है। सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, जेबी पार्क ने कहा, गैलेक्सी S26 सीरीज़ को इस तरह बनाया गया है कि यह लोगों की जीवनशैली और काम करने के तरीके को गहराई से समझ सके। यह 'एजेंटिक एआई' के साथ सैमसंग की एक नई दिशा को दर्शाता है, जो रोजमर्रा के छोटे-मोटे कामों को खुद संभाल लेती है ताकि आप उन चीज़ों पर समय बिता सकें जो वास्तव में मायने रखती हैं—जैसे परिवार के साथ वक्त बिताना, अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ाना और लाइफ के हर पल का मजा लेना।

विश्व प्रोटीन दिवस पर आईबी ग्रुप का देशव्यापी अभियान, 2,500 से अधिक तहसीलों में हर घर हर दिन चिकन प्रोटीन की गूंज

रायपुर। विश्व प्रोटीन दिवस के अवसर पर देश की अग्रणी एग्री-फूड कंपनी आईबी ग्रुप ने हर घर हर दिन चिकन प्रोटीन शीर्षक से एक व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान संचालित किया। यह अभियान कश्मीर से कन्याकुमारी तक 20 राज्यों की 2,500 से अधिक तहसीलों में एक साथ चलाया गया, जिसका उद्देश्य भारत में महिलाओं और बच्चों में व्याप्त 73 प्रतिशत प्रोटीन कमी के प्रति जागरूकता फैलाना था। आंकड़ों के अनुसार देश में हर 10 में से 7 महिलाएं और बच्चे पर्याप्त प्रोटीन नहीं ले पा रहे हैं, जो एक गंभीर पोषण चुनौती बन चुकी है।

इस बड़े जनसंपर्क अभियान का मुख्य फोकस ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाले समुदायों को उनके दैनिक आहार में पर्याप्त प्रोटीन शामिल करने के महत्व के बारे में शिक्षित करना रहा। आईबी ग्रुप की टीमों ने गांवों और तहसीलों का दौरा कर सरपंचों, ग्राम प्रधानों और स्थानीय सम्मानित बुजुर्गों के साथ मिलकर जागरूकता बैठकों का आयोजन किया। इन सत्रों के दौरान परिवारों को बताया गया कि बच्चों के समुचित शारीरिक विकास और मस्तिष्क वृद्धि के लिए प्रतिदिन 25 से 50 ग्राम प्रोटीन आवश्यक है। महिलाओं को अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता और सामान्य स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखने के लिए 50 से 60 ग्राम प्रोटीन की जरूरत होती है, जबकि पुरुषों के लिए 55 से 70 ग्राम प्रोटीन प्रतिदिन आवश्यक है, ताकि थकान से बचाव हो और ऊर्जा का स्तर बना रहे। अभियान को व्यावहारिक स्वरूप देने के लिए कई स्थानों पर चिकन से बनने वाले पौष्टिक और किफायतीव्यंजनों का लाइव प्रदर्शन भी किया गया।

समावेशी शिक्षा के तहत शिक्षक एवं पालकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित....

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिला शिक्षा अधिकारी सह जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा में समावेशी शिक्षा अंतर्गत शिक्षक एवं दिव्यांग बच्चों के पालकों हेतु तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेजस हिन्दी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्टीपर्पज पेण्ड्रा के असेम्बली हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। अपने संबोधन में श्री तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि समाज को दिव्यांग बच्चों के प्रति सहानुभूति के बजाय सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। जब हम उन्हें समान अवसर और सही मार्गदर्शन देंगे तभी वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री एस एन सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञों ने समावेशी शिक्षा की विभिन्न गतिविधियों और उनकी कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। श्री प्रवीण चौधरी जिला नोडल, श्रीमती मोना गौतम ने दिव्यांगता के प्रकारों, बच्चों के कानूनी अधिकारों और समावेशी शिक्षा की अवधारणा के बारे में विस्तार से बताया। श्री राजेंद्र साहू स्पेशल एजुकेटर ने शासन द्वारा प्रदान किए जाने वाले सहायक उपकरणों और उनसे होने वाले लाभों की जानकारी दी। श्रीमती वंदना तिवारी ने सांकेतिक भाषा के महत्व को समझाया। श्रीमती पूजा सिंह स्पेशल एजुकेटर ने दिव्यांग बच्चों के व्यवहार प्रबंधन और उनके मनोवैज्ञानिक विकास पर सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री प्रेम शंकर प्रसाद, श्रीमती दीपा श्याम, प्राची आर पीटर एवं रोहिणी का विशेष सहयोग रहा।

जल संचय जल संरक्षण मोर गाँव मोर पानी सचिव, देवदास मानिकपुरी, भरारी पंचायत

तखतपुर। जिला बिलासपुर के जनपद पंचायत तखतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भरारी में कार्यक्रम रखा गया जिसमें महाराष्ट्र से आये श्रद्धा सबुरी समाज सेवी संस्था, जिला पांडूरना, मध्यप्रदेश राज्य द्वारा गाँव गाँव में जल संरक्षण के संबंध में जागरूकता व वाटर हाइवे स्ट्रिंग पानी की उपयोगिता जल संचयन पोस्टर बैनर रैली एवं प्रोजेक्ट के माध्यम से ग्राम वासियों को बताये गए जलमेन, मास्टर मेन वी. वानखेड़े एवं उनके सहयोगी द्वारा बहुत ही अच्छे से ग्राम वासियों को जल संचयन जल संरक्षण की बार में विस्तृत रूप से बताया गया व आने वाले 50 वर्षो तक हम कैसे पानी बचाकर अपने आने वाले भविष्य को जल की उपलब्धता बनाये रख सकते हैं इस कार्यक्रम ग्राम पंचायत भरारी, नेवरा, कपसिया कला, टांडा, कपसिया खुर्द शामिल हैं, अध्यक्ष श्रद्धा सबुरी समाज सेवी संस्था पांडूरना मध्यप्रदेस, सरपंच भरारी सुश्री सुमिता टंडन, अमिता कौशिक, गणेश खांडे, संजय कौशिक, अजय कौशिक, अश्वनी भास्कर, पंचगण देवकान्त भास्कर, घनश्याम साहू द्वारिका दुबे, दुर्गेश निर्मलकर, राकेश साहू, त्रिजोगी साहू, पद्मनी उजागर, अश्वनी वस्त्रकार, अनीता उजागर रोजगार सहायक, सचिव ग्राम भरारी देवदास मानिकपुरी, उमेश पटेल, ग्रामवासी केदार साहू, पुनाराम, भनेश, रामचरण यादव, देवचरण, मुनीम श्रीवास, लक्ष्मण दास, रजनीकांत, सुनील अनीता, राजकुमारी एवं स्वच्छकांछी एवं आवास के ग्राम पंचायत भरारी, नेवरा, कपसिया कला, टांडा, कपसिया खुर्द शामिल हैं

बिलासपुर स्टेशन में चलाया गया औचक टिकट चेकिंग अभियान

- 372 मामलों में 2 लाख 19 हजार 830 रुपये का जुर्माना वसूला गया

बिलासपुर। टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम तथा स्टेशनों में यात्रियों को रेलवे नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री एस भारतीयन के नेतृत्व में बिलासपुर स्टेशन में दिनांक 25 फरवरी 2026 को औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक, टीटीई स्टाफभी शामिल थे। इस दौरान बिलासपुर स्टेशन एवं बिलासपुर-चांपा के मध्य विभिन्न 17 गाड़ियों में औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया 7 इस अभियान में कुल 372 मामलों से 2 लाख 19 हजार 830 रुपये बतौर जुर्माना वसूले गए । जिसमें बिना टिकट के 303 मामले से 1,90,625 रुपए, अनियमित टिकट के 59 मामले से 28,205 रुपए तथा बिना बुक किए गए लगेज के 10 मामले से 1,000 रुपए शामिल है 7 रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के लिए उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। रेलगाड़ी राष्ट्रीय संपत्ति है, इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

मादक पदार्थों पर नियंत्रण एवं कार्रवाई के संबंध में समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। स्वापक औषधि मन: प्रभावी पदार्थों के अनाधिकृत व्यवसायियों पर नियंत्रण एवं कार्यवाई के संबंध में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी और पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी ने मादक पदार्थों पर नियंत्रण एवं कार्रवाई के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान के प्रति जन जागरूकता हेतु समाज कल्याण विभाग के सहयोग से अभियान चलाने, सभी मेडिकल दुकानों में प्रतिबंधित दवाईयों की सूची चस्पा करने एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने कहा। कलेक्टर ने नशा मुक्ति केन्द्र में भर्ती नशा पीड़ितों की काउंसलिंग करके मनो वैद्यानिक ढ़ंग से नशे की लत छुड़ाने, उनका मेडिकल चेकअप कराने तथा केन्द्र से जाने के बाद उनका फॉलोअप करने कहा। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, आश्रम-छात्रावासों के आसपास नशीली पदार्थों के अनाधिकृत व्यापार-व्यवसाय पर रोकथाम के उपाय सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में गुटका, सिगरेट, तम्बाकू आदि नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया। बैठक में सीईओ जिला पंचालत मुकेश रावटे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा, एसडीएम पेण्ड्रारोड विक्रांत अंचल, एसडीएम मरवाही देवेन्द्र सिरमोर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा सहित समाज कल्याण, आबकारी, खाद्य, कृषि, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

रहंगी में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियां तेज कलेक्टर-एसएसपी ने किया स्थल निरीक्षण

बिलासपुर। बिल्हा विकासखंड के ग्राम रहंगी में 28 फरवरी को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियां प्रशासनिक स्तर पर तेज कर दी गई हैं। कार्यक्रम स्थल का कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय रहंगी के खेल मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को धान खरीदी के अंतर की प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। साथ ही विभिन्न विभागों के करोड़ों रुपए के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा भूमिपूजन भी किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मुख्य सभामंच, सांस्कृतिक मंच, विभागीय स्टॉल, बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, पार्किंग, हेलीपैड एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्थल चिन्हांकित करते हुए सभी तैयारियां समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। खेल मैदान के समीप ही हेलीपैड का निर्माण किया जाएगा। अधिकारियों ने प्रस्तावित पार्किंग स्थलों का भी अवलोकन कर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने की रूपरेखा तय की। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संभावित जनसमूह को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण एवं प्रवेश-निकास व्यवस्था की विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल सहित लोक निर्माण विभाग, कृषि विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है।

होली त्यौहार के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे से 14 फेरे तथा यहां से होकर गुजरने वाली 56 फेरों सहित कुल 70 फेरों के लिए होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन

- यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ एवं सुगम यात्रा की सुविधा

बिलासपुर। आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा देशभर में व्यापक स्तर पर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने सभी जोनों में कुल 1,244 होली स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स का परिचालन प्रारंभ किया है, जिससे यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा सुनिश्चित की जा सके। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अपने क्षेत्र से 14 फेरों की होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा, जबकि इसके अतिरिक्त 56 ट्रिप्स की होली स्पेशल ट्रेनें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। इस प्रकार होली पर्व के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत कुल 70 होली स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध रहेंगी। दुर्ग, बिलासपुर एवं गोंदिया जैसे प्रमुख स्टेशनों से इन होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। इन ट्रेनों के माध्यम से दिल्ली, पटना, छपरा, मधुबनी, हजरत निजामुद्दीन, चर्लपल्ली सहित देश के विभिन्न महत्वपूर्ण गंतव्यों के लिए अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इन विशेष ट्रेनों का उद्देश्य होली के अवसर पर अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करना तथा यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ के साथ सहज यात्रा प्रदान करना है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संचालित होली स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है :- 1. गाड़ी संख्या 08751/08752 दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन-दुर्ग होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 02-02 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन दुर्ग से 01 व 02 मार्च (रविवार व सोमवार) को तथा वापसी में निजामुद्दीन से 02 व 03 मार्च (सोमवार व मंगलवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है। 2. गाड़ी संख्या 08863/08864 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन गोंदिया से 01 मार्च (रविवार) को तथा वापसी में छपरा से 03 मार्च (मंगलवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है। 3. गाड़ी संख्या 08865/08866 गोंदिया-छपरा-गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन गोंदिया से 02 मार्च (सोमवार) को तथा वापसी में छपरा से 04 मार्च (बुधवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है। 4. गाड़ी संख्या 08753/08754 दुर्ग-मधुबनी-दुर्ग होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन दुर्ग से 01 मार्च (रविवार) को तथा वापसी में मधुबनी से 02 मार्च (सोमवार) को व्हाया झारसुगुड़ा होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है। 5. गाड़ी संख्या 08861/08862 गोंदिया-पटना-गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01-01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन गोंदिया से 02 मार्च (सोमवार) को तथा वापसी में पटना से 03 मार्च (मंगलवार) को व्हाया झारसुगुड़ा होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है।

भारत ने सेमीफाइनल की ओर बढ़ाए कदम

जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया, अभिषेक-पंड्या ने फिफ्टी लगाई

चेन्नई। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 पहली जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने गुरुवार के दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया। इसी के साथ सुपर-8 ग्रुप-1 से साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी। हार्दिक पंड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे। भारत ने 256 रन बनाए। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। हाईएस्ट स्कोर का रिकॉर्ड 260 रन है, जो श्रीलंका ने 2007 में केन्या के खिलाफ बनाया था।

इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपना सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। पिछला रिकॉर्ड 218 रन का था। जोकि इंग्लैंड के खिलाफ 2007 में बना था। उस मैच में युवराज ने लगातार 6 छक्के लगाए थे।

जिम्बाब्वे का सफर समाप्त

भारत की जीत से जिम्बाब्वे का सफर टी20 विश्व कप में समाप्त हो गया है। ग्रुप-1 से सेमीफाइनल की दौड़ में दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और भारत शामिल है। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार दो मैच जीतकर स्थिति मजबूत कर ली है। अब अगर भारत अपना आखिरी मैच जीत जाए और दक्षिण अफ्रीका भी जिम्बाब्वे को हरा दे तो ग्रुप-1 से भारत और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंच जाएंगे।

अभिषेक-पंड्या की फिफ्टी, तिलक ने नाबाद 44 बनाए

भारतीय टीम की ओर से अभिषेक शर्मा (55 रन) और हार्दिक पंड्या (नाबाद 50) फिफ्टी बनाई। वहीं, तिलक वर्मा ने नाबाद 44 रन बनाए। जिम्बाब्वे से रिचर्ड नगारवा, ब्लेसिंग मुजरबानी, तिनोतेंदा मपोसा और सिकंदर रजा ने एक-एक विकेट लिए। ब्रायन बेनेट 3 रन से शतक चूके 257 रन का टारगेट चेज कर रही जिम्बाब्वे की शुरुआत धीमी रही। उसके बाद टीम ने मिडिल ओवर्स के फेज में नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। लेकिन, ओपनर ब्रायन बेनेट ने एक छोर संभाले रहा। उन्होंने नाबाद 97 रन बनाए, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

ब्रीफ न्यूज

भारत की उभरती महिला टेनिस खिलाड़ी है वैष्णवी

बेंगलुरु । हाल में डब्ल्यू100 आईटीएफ टूर्नामेंट में उपविजेता रही भारत की उभरती महिला टेनिस स्टार वैष्णवी अडकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग में लंबी छलांग लगाकर 466 वें स्थान पर पहुंच गयी हैं । इसी के साथ ही वैष्णवी 224 स्थान की छलांग लगाते हुए देश की नई नंबर-2 महिला एकल खिलाड़ी बन गयी हैं । वाइल्डकार्ड एंट्री से आईटीएफ टूर्नामेंट खेलने उतरी वैष्णवी ने तीन जीत हासिल करते हुए दो शीर्ष-150 खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया था । इस प्रकार आईटीएफ 100 स्तर या उससे ऊपर के टूर्नामेंट में कोई भारतीय महिला खिलाड़ी लंबे समय के बाद फाइनल तक पहुंची हैं । वैष्णवी ने 2022 में पेशेवर टेनिस खेलना शुरु किया था । साल 2024 में उन्होंने अहमदाबाद में आईटीएफ डब्ल्यू15 खिताब जीता और मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 में भी ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी के खिलाफ सेट जीता था ।पिछले साल यूरोप में बड़े आईटीएफ टूर्नामेंटों में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था । इसके बाद वह रोहन बोपन्ना की अकादमी में अभ्यास के लिए गयी जहां कोच बालाचंद्रन मणिक्कथ की सलाह से इस खिलाड़ी ने तकनीकी और मानसिक दोनों स्तर पर अपने को निखारा । कोच का मानना है कि वैष्णवी में टॉप-200 ही नहीं बल्कि टॉप-100 में पहुंचने की भी क्षमता है । वैष्णवी का लक्ष्य ऊंचे स्तर के टूर्नामेंट खेलने और लगातार प्रदर्शन करने पर है ।

विनीसियस के गोल से रियाल मैड्रिड बेनफिका को हराकर अंतिम 16 में पहुंची

मैड्रिड । विनीसियस जूनियर के गोल से रियाल मैड्रिड की टीम बेनफिका को 2-1 से हराकर यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम 16 में पहुंच गयी है । दूसरे चरण के इस मुकाबले में रियाल जीत के साथ ही अब 3-1 से आगे हो गयी है । उसने पहला चरण भी 1-0 से जीता था । दूसरे चरण में बेनफिका की ओर से 14वें मिनट में राफा सिल्वा ने गोल कर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया । वहीं दो मिनट बाद ही ऑरेलियन चोउमेनी ने एक गोल कर रियाल को बढ़त दिला दी । मैच के 80वें मिनट में विनीसियस जूनियर ने एक गोल कर स्कोर 2- । कर दिया । वहीं एक अन्य मुकाबले में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने मोनाको को 3-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनायी । दोनों टीमों के बीच दूसरा चरण 2-2 से बराबरी पर रहा, हालांकि पहले चरण में मिली बढ़त से पीएसजी को लाभ हुआ । एक अन्य मुकाबले में इटली की अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को दूसरे चरण में 4-1 से हराया । इस जीत के साथ ही अटलांटा अंतिम 16 में पहुंच गयी । एक अन्य मुकाबले में युवेंटस गैलाटासराय के खिलाफ दूसरे चरण में 3-2 से जीत के बाद भी टूर्नामेंट से बाहर हो गयी ।

श्रीलंका को हराकर भी पाकिस्तान सेमीफाइनल से होगा बाहरः बारिश हुई तो खेल खत्म

कोलंबो। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 में पाकिस्तान का सेमीफाइनल सफर बेहद कठिन मोड़ पर आ गया है। शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ जीत जरूरी है, लेकिन यह काफी नहीं है। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड को हराना होगा और पाकिस्तान को नेट रन रेट में भी बड़ा सुधार करना होगा। बारिश हुई तो पाकिस्तान का वर्ल्ड कप यहीं खत्म।

टी20 विश्व कप 2026 में शनिवार को पल्लेकल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच सुपर 8 के ग्रुप 2 का आखिरी मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला भले ही दोनों टीमों के लिए आखिरी हो, लेकिन इससे सिर्फ पाकिस्तान के क्वालिफिकेशन पर असर पड़ेगा। इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है और श्रीलंका टूर्नामेंट से बाहर हो चुका है। पाकिस्तान के पास अभी तक सिर्फ एक अंक है, वह भी न्यूजीलैंड के खिलाफ बारिश से धुले मैच में मिला था। ग्रुप 2 में सेमीफाइनल की दूसरी सीट के लिए अब लड़ाई पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच है, जहां न्यूजीलैंड 3 अंकों और बेहतर नेट रन रेट के साथ काफी आगे है।

ऐसे भी हो सकता है पाकिस्तान बाहर

अगर श्रीलंका पाकिस्तान को हरा देता है, तो पाकिस्तान का वर्ल्ड कप सफर वहीं खत्म हो जाएगा और टीम सिर्फ 1 अंक के साथ सुपर 8 से ही बाहर हो जाएगी। श्रीलंका खुद पहले ही बाहर है, इसलिए उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं, घरेलू दर्शकों के सामने इज्जत बचाना ही उसका लक्ष्य होगा। लेकिन पाकिस्तान के लिहाज से एक और खतरा है बारिश। सुपर 8 में रिजर्व डे का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसा होने के आसार कम हैं, लेकिन अगर मैच पूरी तरह धुल गया, तो दोनों टीमों को एक-एक अंक मिलेगा और पाकिस्तान 2 अंक पर रुक जाएगा। न्यूजीलैंड के 3 अंकों के सामने यह भी नाकाफी होगा, यानी बारिश भी पाकिस्तान के लिए हार जितनी ही खतरनाक है।

वॉकिंग क्रिकेट, खिलाड़ियों को मिल रहा 'बैजबॉल' का मजा

ब्रिटेन में 87 की उम्र तक के लोग खेल रहे

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने एक बार 'बैजबॉल' को परिभाषित करते हुए कहा था कि यह खेल को वैसे खेलने की कोशिश है, जैसा हमने बचपन में कल्पना की थी- रोमांचक, तेज और मजेदार। दिलचस्प बात यह है कि इस सोच की सबसे सजीव और भावुक झलक अब इंग्लैंड के लीजर सेंटरों और खेल के मैदानों पर दिख रही है, जहां 50 से 87 साल तक के लोग 'वॉकिंग क्रिकेट' के जरिए खेल का नया आनंद ले रहे हैं। वॉकिंग क्रिकेट सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि अकेलेपन के खिलाफ प्रभावी हथियार है। केंट क्रिकेट कम्युनिटी ट्रस्ट की प्रोजेक्ट ऑफिसर एमी इलिज के अनुसार, हर काउंटी में इसकी टीमें फल-फूल रही हैं। लॉर्ड्स के इंडोर स्कूल में पहला इंटर-काउंटी वॉकिंग क्रिकेट फेस्टिवल आयोजित हुआ, जिसने इसकी बढ़ती लोकप्रियता पर मुहर लगा दी। केंट के फोकस्टोन स्थित श्री हिल्स स्पोर्ट्स सेंटर में वॉकिंग क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं, सामुदायिक जुड़ाव का मंच बन चुका है। यहां 87 वर्ष तक के खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं। सुनने में दिक्कत, डिमेंशिया या गतिशीलता संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोग भी बिना झिझक मैदान में उतरते हैं। आधा रन लेने जैसी छूट इसे और रोचक बनाती है। इस खेल ने कई जिंदगियों को नई दिशा दी है। 62 वर्षीय कप्तान मार्क कहते हैं कि यहां प्रतिभा से ज्यादा भागीदारी और खुशी मायने रखती है। साल 2022 में दोनों घुटनों के ऑपरेशन के बाद ग्राहम दो स्टिक के सहारे चलते थे। वॉकिंग क्रिकेट से जुड़ने के महज 18 महीनों में उनका वजन एक-चौथाई कम हो गया और उन्होंने एक ओवर में छह छक्के जड़कर सबको हैरान कर दिया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में वापसी करने को तैयार हरमनप्रीत

होबर्ट । भारतीय महिला क्रिकेट टीम शुरुवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के साथ वापसी करने उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में 6 विके से हार का सामना करना पड़ा था ऐसे में मेजबान टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम के लिए राहित की बात ये है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर भी फिट हो गयी हैं। हरमनप्रीत को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि हरमनप्रीत अब ठीक है और खेलने जा रही हैं। पहले एकदिवसीय में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं।वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड की ओर से कहा गया है कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी थी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए है। कप्तान के नहीं होने से उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। वहीं अब अब कप्तान की वापसी से प्रबंधन को भी राहत मिली है। पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन ही बना पायी थी जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली थी। अब भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा।

रणजी ट्रॉफी- जम्मू कश्मीर पहली पारी में 584 पर ऑलआउट

प्रसिद्ध कृष्णा को 5 विकेट; कर्नाटक ने 220 रन बनाने में 5 विकेट गंवाए

रणजी ट्रॉफी फाइनल के तीसरे दिन जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक पर मजबूत पकड़ बना ली है। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक कर्नाटक ने 220 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए। जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में 584 रन बनाए। इस तरह कर्नाटक अब भी 364 रन से पीछे है। फॉलोऑन टालने के लिए कर्नाटक को 165 रन और बनाने होंगे। कप्तान मयंक अग्रवाल सेंचुरी बनाकर नॉटआउट लौटे।

नबी ने कर्नाटक का टॉप आर्डर बिखेरा

जम्मू-कश्मीर के लिए नबी ने 14 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट झटके। उन्होंने लगातार 9 ओवर का स्पेल डालते हुए केएल राहुल को आउट किया और कर्नाटक को पहला झटका दिया। इसके बाद नबी ने करुण नायर को शानदार गेंद पर बोल्ड किया। अगली ही गेंद पर फॉर्म में चल रहे स्मरण रविचंद्रन को भी पवेलियन भेज दिया।

जम्मू 584 पर ऑलआउट

सुबह 527/6 के स्कोर से आगे खेलने उतरी जम्मू-कश्मीर ने 57 रन बनाने में आखिरी 4 विकेट जल्दी गंवा दिए । टीम के 6 बैटर्स ने 50+ स्कोर बनाए । शुभम पुंदीर ने 121, यावर हसन ने 88, साहिल लोत्रा ने 72, पारस डोगरा और कन्हैया वधावन ने 70-70 और अब्दुल समद ने 60 रन बनाए । कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए । उनके अलावा विद्याधर पाटिल, विजयकुमार वैशाक, शिखर शेट्टी और श्रेयल गोपाल को 1-1 विकेट मिला ।

मयंक ने शतक लगाया

पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल ने मोर्चा संभालते हुए 207 गेंदों पर नाबाद 130 रन बनाए। इसके बावजूद कर्नाटक की टीम दबाव में नजर आ रही है। श्रेयस गोपाल ने 27 रन बनाए। विकेटकीपर कृतिक कृष्णा ने मयंक के साथ 58 रन की पार्टनरशिप कर ली है। दोनों चौथे दिन कर्नाटक की पारी आगे बढ़ाएंगे।

मैड्रिड में यूईएफए चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए रियल मैड्रिड व बेनीफिका के खिलाड़ी।

भारत को अगले दो मुकाबले जीतने हैं जिससे वह सेमीफाइनल में जगह बना सकता है

साउथ अफ्रीका की सुपर-8 में लगातार दूसरी जीत

अहमदाबाद। कप्तान एडेन मार्करम की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराया। दक्षिण अफ्रीका ने इसके साथ ही टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है और सेमीफाइनल के लिए दावा मजबूत कर लिया है। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 176 रन बनाए। जवाब में मार्करम ने दमदार बल्लेबाजी की जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 16.1 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया।

अहमदाबाद। भारत का समीकरण दक्षिण अफ्रीका ने इस तरह भारत के लिए राह आसान कर दी है। अब भारत को अगले दो मुकाबले जीतने हैं जिससे वह सेमीफाइनल में जगह बना सकता है। भारत का सामना जिम्बाब्वे से है और इसके बाद टीम को वेस्टइंडीज का सामना करना है। भारत अगर अपने दोनों मुकाबले अपने नाम कर लेता है तो उसके लिए चीजें आसान हो जाएंगी।

दक्षिण अफ्रीका का सामना अब सुपर आठ के अंतिम मैच में जिम्बाब्वे से होगा। अगर भारत दोनों मैच जीत जाता है और फिर दक्षिण अफ्रीका भी जिम्बाब्वे को हरा देता है तो नेट रन रेट का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। इस स्थिति में दक्षिण अफ्रीका के तीन मैचों में छह अंक होंगे, जबकि भारत के चार अंक हो जाएंगे। वहीं, वेस्टइंडीज एक जीत के साथ दो अंक पर ही रुक जाएगा। मार्करम ने दिलाई दमदार शुरुआत लक्ष्य का पीछा करते हुए मार्करम ने क्विंटन डिकॉक के साथ मिलकर दक्षिण अफ्रीका को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़े। डिकॉक अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन रोस्टन चेज ने उन्हें आउट कर दिया। डिकॉक 24 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 47 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मार्करम ने रेयान रिकेल्टन के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों ने दमदार बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज पर दबाव बढ़ाया।

शेफर्ड-होल्डर की साझेदारी

वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 83 रन था । लेकिन शेफर्ड और होल्डर ने इसके बाद पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने आठवें विकेट के लिए 57 गेंदों पर 89 रनों की साझेदारी कर वेस्टइंडीज को मुश्किल से उबारा । होल्डर आखिरी ओवर में रन आउट हुए जिससे ये साझेदारी टूट गई । होल्डर 31 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 49 रन बनाकर आउट हुए । वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ शेफर्ड और होल्डर ने दमदार प्रदर्शन किया जिससे टीम चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दे सकी । शेफर्ड 37 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 52 रन बनाकर नाबाद लौटे ।

भारत की जनगणना 2027 के सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों का प्रशिक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारत की जनगणना 2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए देशभर में जिला स्तर पर अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हो चुका है। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को जिलाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम विधिवत रूप से प्रारंभ हुआ। राज्य जनगणना निदेशालय रायपुर से आई प्रशिक्षक टीम द्वारा जनगणना कार्य हेतु नियुक्त जिला स्तरीय अधिकारियों एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को विस्तृत एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राज्य मुख्यालय रायपुर से आए प्रशिक्षक सुश्री सुष्मिता स्वान एवं शुभम कुशवाहा ने अधिकारियों को जनगणना की संपूर्ण प्रक्रिया, तकनीकी व्यवस्थाओं तथा फील्ड संचालन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण में जनगणना से जुड़े कानूनी प्रावधान, गोपनीयता, डेटा सुरक्षा और कार्य की संवेदनशीलता पर विशेष बल दिया गया।

पूरी तरह डिजिटल होगी जनगणना 2027–प्रशिक्षण में बताया गया कि यह जनगणना भारत की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी। इस बार कागज आधारित पारंपरिक प्रणाली के स्थान पर आधुनिक डिजिटल टूल्स का उपयोग किया जाएगा, जिससे आंकड़ों की शुद्धता, पारदर्शिता और त्वरित संकलन सुनिश्चित किया जा सके।

दो चरणों में संपन्न होगा कार्य–अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना कार्य दो चरणों में सम्पन्न किया जाएगा प्रथम चरण (1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक) : मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य। द्वितीय चरण (फरवरी-मार्च 2027) : जनसंख्या की वास्तविक गणना। प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रथम चरण में प्रत्येक भवन एवं आवासीय इकाई का विवरण संकलित किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसांख्यिकीय जानकारी दर्ज की जाएगी। जनगणना कार्य के लिए अधिकारियों को मोबाइल एप्लिकेशन, CMMS (Census Management & Monitoring System) पोर्टल तथा HLBC (Houselisting Block Creator) वेब पोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से डेटा प्रविष्टि, निगरानी, ब्लॉक निर्माण एवं प्रगणकों की कार्यप्रणाली का संचालन किया जाएगा। इस बार जनगणना में स्व-गणना (सेल्फ ऐनुमेरेशन) का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा, जिसके अंतर्गत नागरिक स्वयं पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। घर-घर भ्रमण के दौरान प्रगणक द्वारा उस जानकारी का सत्यापन एवं अनुमोदन किया जाएगा। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि इस जनगणना में जाति आधारित डेटा संग्रह को भी शामिल किए जाने की संभावना है, जिससे सामाजिक संरचना से संबंधित व्यापक आंकड़े उपलब्ध हो सकेंगे।

जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील – कलेक्टर–कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रशिक्षण को गंभीरता एवं प्राथमिकता के साथ लें तथा सभी बिंदुओं को भली-भांति समझें। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और यह देश के विकास एवं अधोसंरचना विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि जनगणना राष्ट्र की आर्थिक स्थिति एवं सामाजिक संरचना से संबंधित सबसे व्यापक और प्रामाणिक डेटा स्रोत है। प्रशासनिक निर्णयों, नीति निर्धारण, विकास परियोजनाओं की रूपरेखा, लोकसभा एवं विधानसभा सीटों के परिसीमन तथा शासकीय निधियों के न्यायसंगत वितरण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कलेक्टर ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, रोजगार एवं अन्य बुनियादी सेवाओं की प्रभावी योजना बनाई जाती है। अतः सभी अधिकारी इस कार्य को पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ संपादित करें। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री प्रेममलता पद्माकर, ड्यूटी कलेक्टर दीप्ति वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान मोर्चा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का भव्य अभिनंदन किया : दक्ष वैद्य

10000 करोड़ बजट कृषि विकास में क्रांतिकारी बदलाव : साहू

रायपुर /मूक पत्रिका

भाजपा किसान मोर्चा सोशल मीडिया प्रदेश सहप्रभारी एवं हिन्द सेना युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के हालिया बजट में किसानों के लिए 10,000 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक आवंटन पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का भव्य अभिनंदन किया। इस अवसर पर दक्ष वैद्य साहू ने कहा,मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट में किसानों के लिए 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान एक मील का पत्थर साबित होगा। यह न केवल प्रदेश के लाखों किसानों को अपनी फसलों के लिए बेहतर समर्थन मूल्य प्रदान करेगा,बल्कि सिंचाई, बीज वितरण,कृषि यंत्रों की उपलब्धता और बाजार सुविधाओं के विकास में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने इस अवसर पर बजट की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा,यह बजट किसानों के हित में एक क्रांतिकारी कदम है,जो उनके समग्र विकास के लिए नए अवसर खोल देगा। सिंचाई परियोजनाओं, उन्नत कृषि तकनीकों और फसल बीमा योजनाओं पर विशेष जोर देकर सरकार ने किसानों की लंबे समय की मांगों को पूरा किया है। इस भव्य अभिनंदन कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री राकेश तिवारी,पुरुषोत्तम देवांगन,प्रदेश उपाध्यक्ष यशवंत वर्मा,मनीषा चंद्राकर,बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर,प्रदेश मंत्री राजेश साहू,रवीन्द्र सिंह,योगेश्वरानंद योगी, विनय साहू,गोविंद साहू,महेश कौशल, ओमप्रकाश साहू,धीरेन्द्र शर्मा,पुष्पेंद्र तिवारी,अमरीका वर्मा,अर्चना शुक्ला, वंदना सिंह,अरविंद साहू,संदीप संडे, रवीश गुप्ता,तरुण वैद,विलाश सुतार,मिथलेश यादव ने एकमत होकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन किया और उनके नेतृत्व में किसानों के विकास,कल्याण और आत्मनिर्भरता के लिए कटिबद्धता का संकल्प लिया।

जिला चिकित्सालय बेमेतरा स्थित 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु अस्पताल में प्रीमेच्योर शिशु का सफल उपचार

जीवनदाई साबित हो रहा जिला चिकित्सालय स्थित एस एन सी यू विभाग

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा जिला चिकित्सालय बेमेतरा में संचालित एस.एन.सी.यू. नवजात शिशु के लिए जीवनदाई साबित हो रहा है,सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ लोकेश साहू के नेतृत्व में संचालित यह एस एन सी यू विभाग में अभी तक लगभग 1500 से अधिक नवजात शिशुओं का सफल ईलाज किया जा चूका है इनमें नवजात जन्म के पश्चात कई गंभीर बिमारीयों जिनमें प्रमुख रूप से जन्म के पश्चात तुरन्त न रोना या देर से रोना, मीकोनियम एसपिरेशन, पीलिया श्वास नली में दिक्कत शॉक मस्तिष्क संबधित गंभीर तकलीफ कन्जेनाईटल मॉलफारमेशन हाईपरथर्मिया, हाईपोग्लाशिमिया बच्चे को झटका आना ब्लीडिंग डाइरिया सॉस लेने में तकलीफ आदि कई बिमारियो के कारण एस.एन.सी.यू. में नवजात शिशु को भर्ती कर ईलाज किया जाता है, इनमें से प्रमुख बच्चों के भर्ती होने का कारण होता है प्रिमेच्योर व कम वजन का होना जिसमें समय से पूर्व प्रसव है इन बच्चो को बचा पाना बहूत ही मुश्किल होता है ऐसे बच्चों को लंबे समय तक एक अच्छे केयर की जरूरत होती है इसमें माताओं को भी एस.एन.सी.यू. में मदर यूनिट में रखकर निरंतर बच्चों के सही देखभाल के विषय में काउंसिलिग कर यह समझाया जाता है कि ऐसे नवजात को कैसे दूध पिलाना है, दूध पिलाने के बाद डकार दिलाने का महत्व कंगारू मदर केयर (के.एम.सी.) आदि कैसे दिया जाना है बताया जाता है जिससे नवजात का सही व टारगेटेट वजन कैसे बढ़े निर्भर करता है। एस.एन.सी.यू.में अब तक लगभग 159 प्रिमैच्योर व कम वजन के बच्चे भर्ती हुए जिनका डॉ. दीपक कुमार निराला द्वारा उनका सफल ईलाज देखभाल कर डिस्चार्ज किया गया, अगर एस.एन.सी.यू. में अब तक संपूर्ण भर्ती की बात करे तो अब तक एस.एन.सी.यू. में लगभग 1500 बच्चे अन्य अलग-अलग बिमारियों के कारण भर्ती कर ईलाज किए जा चुके है। इसी प्रकार एस.एन.सी.यू. मे बेबी ऑफ वामिनी बारले पिता बालक दास बारले (ग्राम, डगनिया ब्लॉक बेरला जिला बेमेतरा) अपने कम वजन के कारण जिसका वजन मात्र 0.900 ग्राम था भर्ती किया गया था जो कि एस.एन.सी.यू. जनवरी 6 को भर्ती हुआ था और लगभग एक माह तक एस.एन.सी.यू. में भर्ती था व अतंतः नवजात छुट्टी के समय 1.530 ग्राम वजन का हो चुका था इसी प्रकार से जिला चिकित्सालय में संचालित एस.एन.सी.यू. में ऐसे कई गंभीर बिमारियों का सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू के नेतृत्व पर डॉ. दीपक कुमार निराला के द्वारा सफल ईलाज किया जा रहा है। वर्तमान में एम सी एच में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ नीतेश चौबे के आने पर बच्चों के ईलाज सुविधा से क्षेत्र में बेमेतरा जिला वासियों को शिशु रोग के इलाज सुविधा में बढ़ोत्तरी हुई है।

स्वच्छता का रखा जाता है विशेष रूप से ध्यान

सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू ने बताया कि मातृ एवं शिशु अस्पताल में भर्ती होने वाले गर्भवती महिलाओं,प्रसव कक्ष,बच्चों को लेकर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है जिससे जच्चा बच्चा को किसी प्रकार के संक्रमण का सामना न करना पड़े इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी स्वच्छता गाइडलाईन तहत कार्य संपादित किया जाता है।

भारतीय डाक विभाग की बीमा योजना से दिवंगत मिच्चा के परिवार को मिला संबल

550 रुपये सालाना प्रीमियम में 10 लाख रुपये का सुरक्षा कवच

बीजापुर /मूक पत्रिका

ग्रामीण अंचलों में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बन रहे भारतीय डाक विभाग की बीमा योजना ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित की है। कुटरू क्षेत्र में बाढ़ दुर्घटना में दिवंगत बुधराम मिच्चा के परिजनों को 10 लाख रुपये की बीमा सहायता प्रदान की गई।यह राशि भारतीय डाक विभाग की 550 रुपये वार्षिक प्रीमियम बीमा योजना के अंतर्गत दी गई, जिसका संचालन इंडियन पोस्ट बैंक के माध्यम से किया जाता है। बीजापुर शाखा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मृतक की नामिनी रुकमी मिच्चा एवं उनके भाई जूरू मिच्चा को चेक सौंपा गया। कार्यक्रम में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक छत्तीसगढ़ परिमंडल के मुख्य प्रबंधक बूक्के भास्कर नायक, बजाज अलायंस के क्षेत्रीय प्रबंधक निर्भय सिंह, आर.एम. आदित्य कुमार, बीजापुर उप संभागीय निरीक्षक डाक तारम सिंह ठाकुर, उप डाकपाल कृष्णा कुमार कावरे तथा शाखा के एग्जीक्यूटिव बानोथ रामकृष्णा सहित डाक एवं बीमा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को डाक विभाग और बीमा योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कम प्रीमियम में भी बड़ा आर्थिक सुरक्षा कवच प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने लोगों को भविष्य की अनिश्चितताओं से बचाव के लिए बीमा योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया। ग्रामीणों ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में समय पर मिली बीमा राशि ने पीड़ित परिवार को बड़ी राहत प्रदान की है और यह योजना आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो रही है।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा हेतु जिला स्तरीय बैठक 03 मार्च को

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आकलन परीक्षा के सफल संचालन तथा अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण, जिला बेमेतरा की कार्यकारिणी समिति की आवश्यक बैठक 03 मार्च 2026, दिन मंगलवार को दोपहर 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होगी। बैठक में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत संचालित गतिविधियों, शिक्षार्थियों की प्रगति, परीक्षा आयोजन की तैयारियों तथा विभागीय समन्वय के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।बैठक में विशेष रूप से साक्षरता एवं गणनात्मक दक्षता के आकलन की प्रक्रिया, परीक्षा केंद्रों की तैयारी, पर्यवेक्षण व्यवस्था, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों की भूमिका तथा शिक्षार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं मैदानी अमले से सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि परीक्षा का आयोजन सुचारु, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से वयस्क शिक्षार्थियों को मूल साक्षरता एवं अंक ज्ञान प्रदान कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर 32 सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला पंचायत बेमेतरा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में अनुपस्थित रहने वाले 32 सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह बैठक जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई थी, जिसमें योजना की प्रगति, लंबित प्रकरणों एवं निर्माण कार्यों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की जानी थी। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत स्वीकृत आवासों की प्रगति, पूर्णता की स्थिति, किश्तों के भुगतान, जियो-टैगिंग, हितग्राहियों के चयन तथा लंबित प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा प्रस्तावित थी। साथ ही निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, समय-सीमा का पालन तथा शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाने थे। निर्धारित तिथि को आयोजित बैठक में बिना पूर्व सूचना एवं सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनुपस्थित रहने को गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित 32 सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दो कार्य दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। नोटिस में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि समय-सीमा में संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित सचिवों की होगी। जिला पंचायत प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) गरीब एवं पात्र हितग्राहियों को पक्के आवास उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण योजना है, जिसकी नियमित समीक्षा एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। प्रशासन द्वारा यह भी कहा गया है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही की पुनरावृत्ति होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी तथा सभी संबंधितों को निर्देशित किया गया है कि वे योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

कलेक्टरेट परिसर में हर्बल गुलाल के स्टॉल आकर्षण का केंद्र, स्व-सहायता समूहों की अच्छी बिक्री

बेमेतरा/मूक पत्रिका

होली पर्व के अवसर पर कलेक्टरेट परिसर में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा हर्बल गुलाल के स्टॉल लगाए गए, जहां प्राकृतिक रंगों से तैयार उत्पादों की बिक्री की गई। स्टॉल पर अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों ने पहुंचकर हर्बल गुलाल की खरीदारी की और समूह की महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान जय मां सिद्धि स्व सहायता समूह, दही (विकासखंड साजा) द्वारा कुल 3,600 रुपये के हर्बल गुलाल का विक्रय किया गया। वहीं नर्मदा स्व सहायता समूह, झालम (विकासखंड बेमेतरा) ने 3,000 रुपये की बिक्री कर सराहनीय प्रदर्शन किया। समूह की महिलाओं ने बताया कि यह गुलाल प्राकृतिक एवं सुरक्षित सामग्री से तैयार किया गया है, जो त्वचा के लिए हानिकारक नहीं है तथा पर्यावरण के अनुकूल है। कलेक्टरेट परिसर में लगे इन स्टॉलों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। रंग-बिरंगे पैकेटों में सजे हर्बल गुलाल को लोगों ने विशेष रुचि के साथ खरीदा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर एवं एसडीएम भारद्वाज ने भी स्टॉल का अवलोकन कर हर्बल गुलाल खरीदा और महिला समूहों के प्रयासों की सराहना की। अधिकारियों ने उत्पाद निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता, पैकेजिंग एवं विपणन व्यवस्था की जानकारी लेते हुए महिलाओं को निरंतर नवाचार और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों की यह पहल महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हर्बल उत्पादों को बढ़ावा देने से जहां स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, वहीं पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुरक्षा को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। समूह की महिलाओं ने बताया कि त्योहारी अवसरों पर इस प्रकार की बिक्री से उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त होती है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होती है।

'मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने निभाया वादा – होली से पहले खातों में पहुंचेगी राशि'

'राज्यभर में 10,324 करोड़ रुपए का होगा अंतरण'

28 फरवरी को जिले के 1 लाख 54 हजार से अधिक किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत 631 करोड़ 30 लाख रुपए की आदान सहायता

बेमेतरा/मूक पत्रिका

खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिले के उपार्जन केंद्रों में पंजीकृत किसानों से निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की गई तथा भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने वादे के अनुरूप प्रति एकड़ 21 क्विंटल एवं 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी सुनिश्चित की। साथ ही पूर्व घोषणा के अनुसार होली पर्व से पहले किसानों को 'कृषक उन्नति योजना' के तहत आदान सहायता राशि प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में जिला बेमेतरा के 1 लाख 54 हजार 995 अन्नदाता किसानों को कुल 631 करोड़ 30 लाख रुपये की आदान सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से शनिवार, 28 फरवरी को सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जाएगी। होली से पूर्व यह राशि मिलने से जिले के किसानों में उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण है। प्रदेश स्तर पर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 25 लाख 28 हजार से अधिक पंजीकृत धान एवं धान बीज उत्पादक किसानों को 10,324 करोड़ रुपये से अधिक की आदान सहायता राशि सीधे खातों में अंतरित की जाएगी। राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12.30 बजे से किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण सभी विकासखंड मुख्यालयों में किया जाएगा। जिला बेमेतरा के विभिन्न विकासखंडों में कार्यक्रम निम्नानुसार आयोजित किए जाएंगे -

बेमेतरा - टाउन हॉल
साजा - ग्राम सुवरताल
नवागढ़ - मंगल भवन
बेरला -सामुदायिक भवन

इन सभी स्थलों पर जनप्रतिनिधियों एवं लाभार्थी किसानों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित कर राशि अंतरण का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।